राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 136 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, मंगलवार 15 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

एमपी में बारिश से हाहाकार, 8 साल के मासूम समेत 3 भैंसों की मौत

भोपाल । मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश की वजह से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। मानव ही नहीं बल्कि पशुओं पर भी इसकी मार देखने को मिली है। देखिए किस जिले का कैसा हाल है लगातार हो रही भारी बारिश के चलते मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश का अंतरराज्यीय बॉर्डर उनाव बालाजी स्थित पहुज नदी पर बना पुल डूब गया। जिसके बाद आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। बता दें कि मौसम विभाग ने चंबल संभाग में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया था। उनाव के स्थानीय लोगों ने इसे रोमांचक बताया तो किसी ने इसे आफत की बारिश का कहर बताया। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से लोगों से इस रस्ते से न जाने की अपील की है। प्रशासन की अनदेखी की वजह से आज बृंदाबन तालाब का पानी बहकर सड़को पर आ गया। जिसमें तालाब की मछलियां भी खेतों और कालोनियों में आ गई। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग भी काफी संख्या में मछली पकड़ते नजर आए। वहीं पानी के तेज बहाव के बावजूद वाहन चालक जान हथेली में लेकर गाडियां चलाते दिखे।

बरसात में उजागर हुई ट्रिपल इंजन सरकार की नाकामी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर करारा हमला करते हुए कहा है कि भ्रष्टाचार और लापरवाही की मार अब जनता की जान पर बन आई है। बरसात के मौसम की शुरुआत के साथ ही नगरों और महानगरों की बदहाल हालत ने भाजपा के विकास के खोखले दावों की पोल खोल दी है।अखिलेश यादव ने कहा कि नालों और नालियों की समय से सफाई नहीं होने से शहरों में जगह-जगह जलभराव हो गया है। सड़कों पर गड्ढे हैं, कूड़े के ढेर लगे हैं और जल निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं दिख रही। लखनऊ, काशी, गोरखपुर, कानपुर और झांसी जैसे शहरों में भी हालात एक जैसे हैं, जहां वर्षों से भाजपा का नियंत्रण है। ट्रिपल इंजन सरकार की विफलता का परिणाम अब जनता को भुगतना पड़ रहा है।सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि स्मार्ट सिटी के नाम पर सिर्फ गड्ढे और खोखले प्रोजेक्ट तैयार किए गए हैं।

दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार ट्रैक्टर से टकराई

कुशीनगर। जनपद के पटहेरवा थाना के बगही कुट्टी के समीप एनएच-28 पर हुए भयानक सडक हादसे मे आन द स्पाट चार लोगो की मृत्यु हो गयी है। जबकि जिन्दगी और मौत से जूझ रहे दो लोगो का इलाज चल रहा है। हादसे मे शिकार लोग अर्टिका कार से झारखंड के देवघर और पडोसी राज्य बिहार के थावे मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे।इस दर्दनाक हादसे से इलाके में शोक की लहर है।

विधानसभा में पटवारी पदोन्नति में भ्रष्टाचार का मामला गूंजा

सत्तारूढ दल के विधायक राजेश मुणत ने सरकार को घेरा

■ नारेबाजी करते हुए विपक्ष का सदन से वाक आउट...

रायपुर। संवाददाता

पटवारी से राजस्व निरीक्षक बनाए जाने को लेकर हुई विभागीय परीक्षा में गड़बड़ी का मामला आज विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन जमकर गूंजा। भाजपा विधायक राजेश मूणत ने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के सामने सवालों की झड़ी लगा दी, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग कर डाली। सवालों पर मंत्री की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं आने पर सारे कांग्रेस विधायक सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए।प्रश्नकाल में भाजपा विधायक राजेश मूणत का सवाल था कि क्या जनवरी 2024 में पटवारी से राजस्व निरीक्षक की विभागीय परीक्षा के संबंध में प्राप्त शिकायतों की जांच हेतु गठित समिति व्दारा जांच प्रतिवेदन राजस्व विभाग को सौंपा जा चुका है? जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद शिकायत के कुछ बिन्दुओं पर गृह विभाग से जांच कराने के निर्णय पर क्या हुआ एवं इसकी अद्यतन स्थिति क्या है? दोषी लोगों पर कार्रवाई कब तक की जायेगी? इन सवालों पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की तरफ से जवाब आया कि गृह विभाग के पत्र 19 फरवरी 2025 व्दारा प्रशासकीय विभाग पुलिस जॉच अथवा एफ्आईआर कराने हेतु स्वयं सक्षम होने का उल्लेख कर प्रकरण राजस्व

विभाग को वापस कर दिया गया। गृह विभाग के उपरोक्त टीप के परिप्रेक्ष्य में राजस्व निरीक्षक विभागीय परीक्षा 2024 के संबंध में प्राप्त शिकायतों की जॉच ईओडब्ल्यू/एसीबी अंतर्गत तकनीकी विशेषज्ञों से कराये जाने हेतु विभागीय ज्ञापन 4 मार्च 2025 व्दारा सामान्य प्रशासन विभाग को लिखा गया है। जॉच प्रक्रियाधीन होने के कारण दोषी लोगों पर कार्रवाई के संबंध में समय-सीमा बताया जाना संभव नहीं है।राजेश मूणत ने पूछा कि परीक्षा में कुल कितने परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, नियम प्रक्रिया क्या थी? मंत्री ने कहा कि परीक्षा विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले हुई थी। फरवरी 2024 में परिणाम आया था। परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत हुई, जिसकी जांच कराई गई। जांच में अनियमितता पाई गई। पता चला परीक्षा के समय भाई-भाई आसपास बैठे थे। रिश्तेदार बैठे थे। इस सब के साथ वाट्सअप चैटिंग जांच के दायरे में आई थी। चूंकि मामला इतना गंभीर था कि हमारा विभाग खुद को कहीं पर सक्षम नहीं पा रहा था, इसलिए गृह विभाग को पत्र लिखा गया। गृह विभाग की ओर से जवाब आया कि हम जांच कराने में सक्षम हैं। एफ्आईआर कराएं। इसके बाद प्रकरण ईओडब्ल्यू को जांच हेतु सौंप दिया गया। करीब 40 बिन्दुओं पर जांच चल रही है। हमारी मंशा किसी को बचाने की नहीं है। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। जैसे भारतमाला प्रोजेक्ट में दोषियों को नहीं बख्श रहे हैं।

खाद-बीज की किल्लत पर विपक्ष का हंगामा, सदन की कार्यवाही स्थगित

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत पहले ही दिन हंगामेदार रही। शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने प्रदेशभर में खाद और बीज की भारी कमी का मुद्दा उठाया। इस मामले को गंभीर बताते हुए उन्होंने स्थगन प्रस्ताव लाकर इस पर चर्चा की मांग की। प्रश्नकाल के तत्काल पश्चात शून्य काल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए सदन में जोरदार नारेबाजी की। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी इस मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्रदेश के किसान खाद की कमी से बेहद परेशान हैं और उन्हें बाजार से महंगे दामों में खाद खरीदना पड़ रहा है।

समाज को ऐसे लोगों की जरूरत

जो सरकार के खिलाफ याचिकाएं दायर करें....

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोक प्रशासन में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार के खिलाफ अदालती मामले दायर करने की आवश्यकता पर बल दिया है। नागपुर में स्वर्गीय प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ ऐसे लोग होने चाहिए जो सरकार के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करें। इससे राजनेताओं में अनुशासन आता है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार के मंत्री भी वह काम नहीं कर सकते जो अदालती आदेश से हो सकता है। लोकप्रिय राजनीति राजनेताओं और मंत्रियों के आड़े आती है। गडकरी ने बताया कि इस कार्यक्रम में 'कुशल संगठक' के रूप में सम्मानित किए गए।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आंशिक रूप से जलमग्न दारागंज घाट पर उफनती गंगा नदी में श्रद्धालु पवित्र स्नान करते हुए।

पहलगाम में सुरक्षा चूक हुई

मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं.....एलजी मनोज

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम आतंकी हमले की पूरी ज़िम्मेदारी ली है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, उन्होंने आगे कहा कि हालाँकि आतंकवादियों की पहचान हो गई है, लेकिन पुलिस अभी तक उन्हें पकड़ नहीं पाई है। एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि वह हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं और कहा कि यह वास्तव में सुरक्षा विफ्लता थी। सिन्हा ने टाइम्स ऑफ़ इंडिया को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि पहलगाम में जो हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था; निर्दोष लोगों की

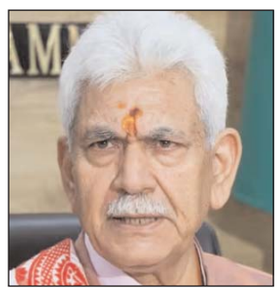

बेरहमी से हत्या की गई। मैं इस घटना की पूरी ज़िम्मेदारी लेता हूँ, जो निस्संदेह एक सुरक्षा चूक थी। यहाँ आम धारणा यह रही है कि आतंकवादी पर्यटकों को निशाना नहीं बनाते। जिस जगह पर हमला हुआ वह एक खुला मैदान है।

21 जुलाई से शुरू हो रहा है मानसून सत्र

मानसून सत्र में पेश होगा राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक-मांडविया

नई दिल्ली। एजेंसी

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक संसद के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा, जो 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। मांडविया ने यह जानकारी उस समय दी, जब वह नशा मुक्ति के खिलाफयुवा कार्य विभाग के एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने यह भी दोहराया कि पाकिस्तान के खिलाड़ियों को भारत में बहुपक्षीय खेल आयोजनों में भाग लेने से नहीं रोका जाएगा। उन्होंने कहा, विधेयक को आगामी सत्र में संसद में पेश किया

जाएगा। मैं कुछ दिनों में और जानकारी दूंगा। यह विधेयक देश के खेल प्रशासकों के लिए अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है। इसके तहत एक नियामक बोर्ड का गठन किया जाएगा, जिसे राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को मान्यता देने और उन्हें फंडिंग प्रदान करने का अधिकार होगा। यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि वह सुशासन से जुड़ी शर्तों का कितना पालन करते हैं। यह बोर्ड यह भी सुनिश्चित करेगा कि खेल महासंघ उच्चतम शासन, वित्तीय और नैतिक मानकों का पालन करें। इसके अलावा, इस विधेयक के मसौदे में आचार संहिता आयोग और विवाद निवारण आयोग की स्थापना का भी प्रस्ताव है। ताकि खेलों के संचालन में पारदर्शिता बनी रहे। इस विधेयक पर लंबे समय से बहस चल रही है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इसका विरोध भी किया है।

भारत के इस जिले में कैदी चलाएंगे पेट्रोल पंप, जेल प्रशासन ने शुरु की अनूठी पहल

करनाल। हरियाणा के करनाल जिले में जेल प्रशासन ने कैदियों के सुधार और पुनर्वास के उद्देश्य से नई पहल की शुरुआत की है। जेल विभाग की ओर से एक पेट्रोल पंप खोला गया है, जिसे जेल के कैदी और बंदी चलाएंगे। हरियाणा के जेल महानिदेशक (डीजी) मोहम्मद अकील ने पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया। जेल डीजी मोहम्मद अकील ने बताया कि यह पहल कैदियों के जीवन में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। उन्होंने कहा, कैदियों को काम करने का मौका मिलेगा, जिससे उनमें सुधार होगा। काम में व्यस्त रहने से जेल में अनुशासन बना रहता है।

सावन के पहले सोमवार को विशेष शिव पूजा

शुभांशु शुक्ला की आईएसएस से वापसी का काउंटडाउन शुरू

लखनऊ। एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के परिवार में चंद्रयान मिशन की सफ्लता को लेकर उत्साह और खुशी का माहौल है। शुभांशु 15 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से भारत लौटेंगे। उनके पिता शंभु दयाल शुक्ला, मां आशा शुक्ला और बहन शुचि मिश्रा ने इस उपलब्धि पर सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर शुभांशु की सकुशल वापसी की प्रार्थना की। शंभु दयाल शुक्ला (शुभांशु शुक्ला के पिता) ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में कहा, आज

सावन का पहला सोमवार था। हमने मंदिर में जाकर भगवान शिव का अभिषेक किया और घर पर भी पूजा की। भोलेनाथ की कृपा से यह मिशन सफ्ल हुआ। हमें पूरा विश्वास है कि उनकी कृपा से शुभांशु सकुशल लौटेंगे। उनके पिता ने बताया कि शुभांशु ने मिशन में दिए गए सभी लक्ष्यों को पूरा किया है। उन्होंने गर्व से कहा, सारे जहां से अच्छा हमारा हिंदुस्तान अब और बेहतर हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी के सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। मैं उन्हें कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं। शुभांशु की मां आशा शुक्ला ने खुशी जताते हुए कहा, घर में उत्साह का माहौल है। शुभांशु की वापसी की खबर से हम बहुत खुश हैं।मैंने भगवान से उनकी सकुशल वापसी की प्रार्थना की है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, हिंदुस्तान पहले से ही अच्छा है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह और बेहतर हुआ है। उनके प्रयासों से यह मिशन सफ्ल हुआ।

फुटू निकालने जंगल गए आदिवासियों को नक्सलियों ने बनाया निशाना

आईईडी ब्लास्ट में तीन ग्रामीण घायल,जंगल में गए थे फुटू निकालने

भोपालपटनम। संवाददाता

सुरक्षा बलों से हारे नक्सली अब निरीह आदिवासियों को निशाना बनाने लगे हैं। तेंदूपत्ता तोडने और फुटू निकालने जंगल गए आदिवासियों को आईईडी के जरिए हताहत करने लगे हैं। सी ही एक घटना बीजापुर जिले के मद्देड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अंगमपल्ली के आश्रित गांव धनगोल के जंगली पहाड़ी इलाके में रविवार शाम को हुई। यहां नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी के विस्फ्टे की चपेट में आने से तीन ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब ग्रामीण जंगल में जंगली मशरूम फुटू संग्रहण के लिए गए हुए थे। घायलों में 24 वर्षीय कोरसे संतोष पिता लक्ष्मैया, 26 वर्षीय चिंडेम कन्हैया पिता किस्टैया और 17 वर्षीया कुडेम कविता पिता नगैया शामिल हैं।ग्रामीणों के अनुसार तीनों धनगोल के जंगल में फुटू निकालने गए थे तभी विस्फ्टे हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह विस्फ्टे नक्सलियों द्वारा प्लांट किए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) के कारण हुआ।घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने घायलों को मद्देड़ स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को बीजापुर जिला अस्पताल भेजा गया। जहां घायलों का इलाज जारी है और सभी खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। तेंदूपत्ता तोड़ाई के दौरान जंगलों में नक्सलियों के बिछाए आईईडी ब्लास्ट की घटनाओं और बीजापुर जिले के मद्देड़

इलाके में फुटू खोजने के दौरान हुई इस ताजा घटना ने जाहिर कर दिया है कि अब नक्सली वनोपज इकठ्ठा करने वाले लोगों को भी निशाना बना रहे हैं और तेंदूपत्ता, बोड़ा, फुटू, साल बीज, महुआ आदि वनोपजों पर हक जमाकर उनका कारोबार खुद करना चाहते हैं। बस्तर के आदिवासी बरसात के मौसम में जंगलों से फूटू बोड़ा संग्रहित कर उन्हें गांव शहरों में बेचते हैं। इससे वे रोजगार विहीन बरसात के मौसम में घर चलाने के लिए थोड़ी बहुत रकम की व्यवस्था कर लेते हैं। पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा लगातार किए जा रहे कड़े प्रहार से नक्सलियों का संख्या बल काफी कम हो चुका है। और उनकी आर्थिक स्थिति भी डांवाडोल हो चुकी है। बौखलाहट में अब वे आदिवासियों के आर्थिक स्त्रोत पर कब्जा जमाने की कोशिश कर रहे हैं। इस हरकत से अब साफ हो गया है कि वो बौखला गए है और ऐसी हरकत कर रहे है सरकार का दवाब अब साफ दिख रहा है। नक्सलियों की सी करतूत से आदिवासी समुदाय में नाराजगी देखी जा रही है।

जहरीला मशरूम खाने से एक ही परिवार के 4 लोग अस्पताल में भर्ती

कवर्धा । जिले के बोड़ला ब्लॉक में एक ही परिवार के चार लोग जहरीला मशरूम खाने से बीमार हो गए। पीड़ितों में माता-पिता के साथ उनके दो छोटे बच्चे शामिल हैं। सभी को उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, परिवार ने बांस के पेड़ के पास उगे जंगली मशरूम को खा लिया था, जो जहरीला निकला। इसके बाद चारों की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें तुरंत अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों का कहना है कि सभी की हालत अब स्थिर है और उपचार जारी है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि अनजाने या जंगली मशरूम का सेवन न करें, क्योंकि यह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय भूमि को आबादी घोषित करने न.पं. की बैठक मे प्रस्तावित

बसना (समय दर्शन)। बसना नगर सीमान्तर्गत के शासकीय भूमि जो वार्ड क्र 01 से 15 वार्डो में जितने भी निवासरत शासकीय भूमि है सभी शासकीय भूमि को आबादी मद में परिवर्तन करने हेतु आज नगर पंचायत बसना के परिषद की बैठक में अध्यक्ष एवम सभी पार्षद गण की उपस्थिति में सर्व सम्मति से शासकीय भूमि में निवासरत भूमि को आबादी मद में परिवर्तन करने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया है।

कब्जाधारियो की बल्ले बल्ले– जो व्यक्ति बाहर गाँव, जिला,प्रदेश से आकर स्थानीय शासकीय भूमि मे काबिज हैं अब उनके लिए राम राज्य की खुशी से कम नहीं होगी। स्थानीय व्यक्ति अपने पट्टे की भूमि से बाहर नहीं निकल पाया है।

ताल तलैया भी सुरक्षित नहीं है– बसना व बसना

सीमा से लगे एरिया मे ताल तलैया को भी नहीं बक्सा गया है उनका क्या होगा?

शासकीय कार्यालयों के आजू बाजू की भूमि मे भी कब्जाधारी हावी हैं । कुछ शासकीय कार्यालय के सिर्फ मेन गेट बचा है?

बसना मे शासकीय भूमि का अवैध खरीदी बिक्री भी हावी है– बसना नगर मे कई ऐसे भूमि का बड़ा तुकड़ा है जो कब्जाधारियो ने रूपये की लालच मे कब्जा कर दूसरे को बेच दिया गया है,,

पहले को बेचकर दूसरे शासकीय भूमि पर कब्जा जमाता है फिर उसे बेचकर तीसरी जगह कब्जा करता है?

पिछले पंचवर्षीय कार्यकाल मे शासन प्रशासन ने भू भाटक जमीन मे काबिज लोगों के लिए नियम व शर्तें लागू किया था, ताकि शासन के नियमों के तहत उसे विधिवत अपने नाम मे रजिस्ट्री किये जा सके।

अब जब शासकीय भूमि को आबादी घोषित किया जा रहा है,तो जो श्रमजीवी मेहनत कश छोटे मोटे ठेला, गुमटियां लगा कर वर्षों से अपने परिवार का जीवन चला रहे हैं उनका क्या होगा?

अहिवारा मार्केट की 40 फीट सड़क बेलगाम जाम के कारण सिर्फ 10 फीट की रह गई, दुर्घटनाओं का बढ़ा खतरा ङ्क नगर शासन मौन

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा।

नंदिनी अहिवारा । अहिवारा नगर पालिका क्षेत्र का मुख्य बाजार इन दिनों भारी अव्यवस्था और जाम का केंद्र बनता जा रहा है। करीब 40 फीट चौड़ी सड़क अवैध अतिक्रमण, ठेले-खोमचों और अस्थायी दुकानों की भरमार के कारण महज़ 10 फीट की रह गई है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। इसका सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों पर पड़ रहा है, जो संकरी सड़कों में फंसे ट्रैफिक और भीड़ के बीच से निकलने को मजबूर हैं। आए दिन छोटे-बड़े दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन नगर पालिका और प्रशासन इस पर चुप्पी साधे हुए है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बढ़ती जनसंख्या और वाहनों की संख्या के बावजूद पार्किंग के लिए कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। सब्ज़ी विक्रेताओं, गुपचुप ठेलों और दुकानों के कारण सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। नगर पालिका अध्यक्ष, पुलिस प्रशासन, और यहां तक कि स्थानीय विधायक और उनके प्रतिनिधि को भी इस समस्या की जानकारी है। विधायक प्रतिनिधि तो स्वयं अहिवारा में ही निवास करते हैं, फिर भी समस्या जस की तस बनी हुई है। सबसे गंभीर बात यह है कि भारी वाहन, जिनके लिए अलग से बायपास मार्ग बनाया गया है, वह भी इसी सड़क से गुजरते हैं। इससे न केवल जाम की स्थिति भयावह होती है, बल्कि सड़क हादसे का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। स्थानीय नागरिकों की मांग है कि नगर प्रशासन जल्द से जल्द ठेलों को निर्धारित स्थान पर शिफ्ट करे, पार्किंग की समुचित व्यवस्था बनाए, और सड़क पर अतिक्रमण हटाए। साथ ही भारी वाहनों के लिए बायपास का सख्ती से पालन करवाया जाए। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह अव्यवस्था एक बड़े जनसुरक्षा संकट में तब्दील हो सकती है।

उप पंजीयक कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी पर भ्रष्टाचारियों मेहरबान, समिति द्वारा हटाने की प्रस्ताव पर उन्हे ही बना रहे दोषी

जांजगीर चांपा / उप पंजीयक कार्यालय कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी की सहकारी समिति के भ्रष्ट कर्मचारी पर मेहरबानी का मामला ज्ञात हुआ है , जिसमे समिती द्वारा उन्हे बाहर निकालने की कार्यवाही पर उन्हें ही दोषी बनाकर फटकार लगाया जा रहा है । यह मामला जांजगीर शाखा की सहकारी समिति बोडसरा का है । यहां पदस्थ लिपिक सह कंप्यूटर आपरेटर लीलादास मानिकपुरी के ऊपर किसानों से वसूल किए गए ऋण राशि का गबन करने सहित अनेक शिकायतों के बाद उन्हे समिति द्वारा प्रस्ताव पारित कर हटाने की कार्यवाही करते हुए विभागीय अधिकारियों को अवगत कराई तथा उनके उपर लगे शिकायतों से संबंधित सबूत भी दिए गए। इस कार्यवाही के बाद समिति से हटाए गए कर्मचारी लीलादास कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन लगाकर वेतन दिलाने की मांग रखा जिस पर जांच कार्यवाही के लिए उपपंजीयक अधिकारी जांजगीर को उनका पत्र प्रेषित किया गया था । जांच करने के बजाय समिति प्रबंधक व प्राधिकृत अधिकारी पर ही चढ़ बैठे जांच अधिकारी – जांच के नाम पर उप पंजीयक कार्यालय के सीईओ द्वारा समिति प्रबंधक को सूचित किया गया जिसके बाद समिति प्रबंधक ने हटाए गए कर्मचारी के विरुद्ध लगे शिकायतों की सबूत के साथ लिखित में जांच बयान समिति के कार्यालय में दी गई जिस पर उप पंजीयक अधिकारी ने समिति प्रबंधक व प्राधिकृत अधिकारी को कार्यालय बुलाकर फटकार लगाते हुए हटाए गए कर्मचारी के खिलाफजांच कार्यवाही न करते हुए उन्हे ही नोटिस थमा दिया गया है । धान खरीदी में राइस मिलरों की अनेक शिकायते -- इस वर्ष की धान खरीदी के पहले धान खरीदी का कार्य दो वर्ष तक समिति द्वारा हटाए गए कर्मचारी लीलादास को ही दिया गया था जिसमें खरीदी कार्य सहित उठाव के समय राइसमिलरों की अनेक शिकायते सुनने को मिलता था जिसके बाद उसे वर्ष 2024-2025 की खरीदी प्रभारी भी नही बनाया गया था ।

27 जुलाई को राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री जी के मुख्य आतिथ्य में होगा प्रगतिशील छग सतनामी समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथग्रहण समारोह

समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का होगा सम्मान समारोह

रायपुर(समय दर्शन)। रायपुर प्रगतिशील छग सतनामी समाज के प्रतिनिधि मंडल द्वारा मुख्यमंत्री निवास में माननीय विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन से मिलकर शपथग्रहण समारोह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने आमंत्रण दिया गया ।

माननीय मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकार कर 27जुलाई को समय देने सहमति प्रदान किए। प्रदेश अध्यक्ष एल एल कोशले ने सभी का परिचय कराया।

इस अवसर पर सांसद जांजगीर-चांपा श्रीमती कमलेश जांगड़े, वेदराम मनहरे, प्रदेश अध्यक्ष एल एल कोशले, उपाध्यक्ष डॉ दिनेश लाल जांगड़े,महासचिव मोहन बंजारे, कोषाध्यक्ष श्याम जी टांडे, संरक्षक एच एल रात्रे, चतुर्वेदी जी ,राजमहन्त पी एल कोसरिया, अशोक बंजारे महासचिव युवा प्रकोष्ठ ,संकुल समन्वयक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम राय, नीलकमल आजाद, कृष्ण कोशले प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

यह जानकारी प्रदान करते हुए राजमहंत पी एल कोसरिया ने बताया कि, बीते दिनो प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के प्रदेश टीम का निर्वाचन सम्पन्न हुआ है । जिनका शपथ ग्रहण समारोह प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय के आतिथ्य में सम्पन्न होगा । जिसके भव्य तैयारी के लिए प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के पदाधिकारी व कार्यकर्ता लगे हुए हैं ।

इस दिन विगत 2024 मे कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं की परीक्षा मे सफल हुए ऐसे छात्र छात्राएँ जो 90त्न या 90त्न से अधिक प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण किये हैं । उनका मुख्य मंत्री के करकमलों से प्रदेश स्तरीय सम्मान समारोह मे सम्मानित किया जाएगा ।

शा.उ.मा. वि. अंकोरी में गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर किया गया वृक्षारोपण

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंकोरी में बीते दिन गुरू पूर्णिमा का भव्य आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर विद्यादायिनी माँ सरस्वती एवं आदि गुरू वेदव्यास जी के चित्र पर पूजन, माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।

छात्र छात्राओं को प्राचार्य यज्ञराम सिदार ने गुरू पूर्णिमा के शुभ अवसर पर महर्षि वेदव्यास जी के जीवन के बारे में गुरू महत्ता पर प्रकाश डालते हुए गुरू महिमा का बखान किया। मानव जीवन मे गुरु के महत्व को विस्तार से समझया ।

श्री सिदार ने बताया कि, हम लोगों ने विगत समय से एक अभियान चला रहे हैं, जिसमें किसी के घर परिवार समाज गाँव मे किसी प्रकार से कोई सुख,दु:ख अथवा मांगलिक कार्यक्रम हो तो हम उस कार्यक्रम की याद मे एक वृक्ष लगायें और

औरों को वृक्षारोपण हेतु प्रेरित करते हुए उसकी रक्षा का संकल्प लें । गुरू पूर्णिमा के शुभ अवसर पर विद्यालय परिवार के साथ मिलकर सभी एक एक पेड़ अपनी मां के नाम थीम पर पौधारोपण कर हरित क्रांति की शुरूआत में अपना योगदान दिया । कार्यक्रम को व्याख्यता संतलाल डड़सेना, उमाशंकर भोई ,लालता प्रसाद डड़सेना, श्रीमती नीलिमा साहू, हिराधर राणा, विजय कुमार कौशिक ,आकाश डडसेना ने बच्चों को संबोधित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन कु.एंजेल सिंह,और शशिदेव प्रधान ने किया।

इस अवसर पर छात्र छात्राएँ एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहे ।

सुखीपाली जंगल से वनोपज के अवैध परिवहन पर वन विभाग पिथौरा की कार्यवाही

मौके से लाल कलर की महेन्द्रा ट्रेक्टर जप्त

पिथौरा(समय दर्शन)। रात्री गस्त में निकले परिक्षेत्र अधिकारी पिथौरा सालिकराम डड़सेना एवं उसकी टीम ने एक महेन्द्रा ट्रेक्टर 275

(ट्रेक्टर नं0 नही लिखा है) से अवैध रूप से सुखीपाली के सरकारी जंगल कक्ष क्रमांक 237 से गिला साजा, धावड़ा, रोहिना, भिर्रा मिश्रित लकड़ी ताजा गिला काटकर अवैध परिवहन करतेआरोपी

ट्रेक्टर मालिक दिलीप सिंह पिता दरियावसिंह ठाकुर उम्र 56 वर्ष निवासी ग्राम बरेकेल एवं उसके पुत्र ट्रेक्टर चालक चुरामणि ठाकुर पिता दिलीप सिंह ठाकुर उम्र 22 वर्ष को रात्री मे सरकारी जंगल

सुखीपाली बीट से गिला जलाऊ लकड़ी लगभग 02 चट्टा अवैध रूप से काटकर परिवहन करते पकड़कर ट्रेक्टर एवं लकड़ी जप्ती कर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 च, धारा 52, एवं परिवहन अधिनियम धारा 41 के तहत राजसात की कार्यवाही किया जा रहा है।

रात्रि गस्त मे परिक्षेत्र अधिकारी पिथौरा के साथ वनपाल जयसिंह भोसले, परिसर पिथौरा, विरेंद्र बंजारे ,परिसर रक्षी भिथीडीह, शुभम तिवारी परिसर रक्षी राजाडेरा, राकेश ध्रुव परिसर रक्षी पश्चिम अंरड, सुरक्षा श्रमिक कमल साहू एवं सुधीर रवि का सहयोग रहा । मौका घटना स्थल एवं परिवहन मे जप्त वनोपज का ठूंठ मिलान करने पर कक्ष क्रमांक 237 से काटे गए 46 नग ठूंठ सत्यापित पाया गया है।

प्रेस क्लब किरंदुल की अनूठी पहल: बारिश में पत्रकारों को राहत, वितरित किए रेनकोट

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। किरंदुल लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच, प्रेस क्लब किरंदुल ने अपने सदस्यों के लिए एक सराहनीय कदम उठाया है। खराब मौसम में समाचार कवरेज के दौरान पत्रकारों को होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए, क्लब ने सभी सदस्यों को उच्च गुणवत्ता वाले रेनकोट वितरित किए हैं। यह पहल पत्रकारों को बारिश की चुनौतियों से निपटने और अपने कर्तव्यों को निर्बाध रूप से निभाने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। रेनकोट वितरण कार्यक्रम में प्रेस क्लब के सभी सदस्य शामिल हुए, जिन्होंने इस विचारशील प्रयास के लिए क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया। सदस्यों ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उनके कार्य को और अधिक सुगम बनाएगा, खासकर मानसून के मौसम में। प्रेस क्लब किरंदुल के इस प्रयास को स्थानीय स्तर पर व्यापक सराहना मिल रही है, जो न केवल पत्रकारों के प्रति उनकी जिम्मेदारी को दर्शाता है, बल्कि समुदाय के प्रति उनकी संवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

बिना जांच के आदेश वित्तीय अनियमितता पर दोषियों को संरक्षण प्रदान करने कि साजिश और नियमों की अनदेखी का मामला गहराया

मुंगेली जिले में स्काउट्स संगठन पर एकपक्षीय कार्रवाई का आरोप, सूचना के अधिकार के तहत् सत्यापित दस्तावेज प्राप्त उपरांत होगा अहम खुलासा

मुंगेली(समय दर्शन) भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्य मुख्यालय रायपुर द्वारा मुंगेली जिले के जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) सप्रे को पद से हटाने का आदेश जारी किया गया है। जहां एक ओर यह आदेश स्काउटिंग गतिविधियों में लापरवाही का आधार बताकर लिया गया है, वहीं दूसरी ओर इस कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सप्रे ने संगठन के कार्यों के संचालन में निरंतर तत्परता दिखाई थी और स्वयं के विरुद्ध की जा रही सुनियोजित शिकायतों की जांच की मांग भी की थी, परंतु राज्य मुख्यालय द्वारा न तो किसी प्रकार की जांच की गई, न ही उन्हें आरोपों की प्रतिलिपि उपलब्ध कराई गई, जो कि संविदा सेवा नियमों का घोर उल्लंघन है।

संविदा नियमों की अनदेखी और एकपक्षीय आदेश : संविदा सेवा शर्तों के अंतर्गत यह अनिवार्य है कि किसी भी शिकायत पर कार्यवाही से पूर्व प्राथमिक जांच की जाए, एवं संबंधित अधिकारी को न्यायपूर्ण सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाए।परंतु इस प्रकरण में न जांच समिति गठित की गई, न तथ्यों की पुष्टि हुई और न ही संबंधित अधिकारी को कोई नोटिस अथवा प्रतिलिपि भेजी गई।

इसके बावजूद, सप्रे को पद से हटाने का आदेश सीधे और एकतरफा रूप से पारित कर दिया गया, जो न्यायिक प्रक्रिया के विरुद्ध है।संगठन के उच्च पदों पर बैठे कुछ

प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा मनमाने ढंग से निर्णय लेते हुए नियमों को दरकिनार कर दिया गया और पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर उन्हें बिना कारण पदमुक्त किया गया।यह संपूर्ण प्रक्रिया भेदभावपूर्ण मानसिकता और संगठनात्मक पारदर्शिता की कमी को दर्शाती है, जो स्वयं में गंभीर प्रशासनिक और संवैधानिक प्रश्न खड़े करती है।

कानूनी और संगठनात्मक सवाल : जानकारों का मानना है कि यह कार्रवाई संविदा नियमों, मानवाधिकार और सेवा आचरण नियमों के विरुद्ध है, और यह मामला गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है।यदि बिना जांच और बिना जवाब का अवसर दिए किसी कर्मचारी को हटाया जाता है, तो यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन है और इसके खिलाफविधिक कार्यवाही की जा सकती है।वर्तमान स्थिति और आगे की राह राज्य मुख्यालय द्वारा मुंगेली जिले के लिए अस्थायी रूप से जिला सचिव (स्काउट) को कार्यभार सौंपा गया है, लेकिन इस निर्णय से नाराज़ स्थानीय कार्यकर्ताओं और स्काउट्स से जुड़े लोगों में रोष व्याप्त है।

इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर आने वाले दिनों में प्रशासनिक एवं कानूनी लड़ाई की संभावना जताई जा रही है।

सहायक जिला संगठन आयुक्त स्काउट्स गाइड मुंगेली - मोरजध्वज सप्रे : सेवा समाप्ति आदेश में प्रक्रिया का उल्लंघन: सीधी कार्रवाई पर उठे सवाल, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन

मोरजध्वज सप्रे के विरुद्ध प्रस्तुत शिकायत के अनुसार, उनके विरुद्ध सेवा समाप्ति आदेश बिना किसी पूर्व जांच या स्पष्ट सुनवाई के जारी किया गया है, जिसकी प्रतिलिपि आज दिनांक तक उन्हें प्राप्त नहीं हुई है। यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही का मामला प्रतीत होता है, क्योंकि प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित व्यक्ति को उक्त आदेश की विधिवत प्रतिलिपि तक उपलब्ध नहीं कराई गई है, जो कि नियम विरुद्ध है।सूत्रों से प्राप्त प्रतिलिपि में यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि आदेश किस आधार पर और किस प्रक्रिया के तहत जारी किया गया। आदेश में संबंधित अधिकारी द्वारा प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए सेवा समाप्ति जैसा गंभीर निर्णय एकपक्षीय रूप से लिया गया, जिससे संदेह की स्थिति उत्पन्न होती है। यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के प्रतिकूल है, जिसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि प्रत्येक सरकारी सेवक को निष्पक्षता, न्यायप्रियता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करना अनिवार्य है। किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करते समय प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए।यदि किसी भी अधिकारी द्वारा उक्त नियमों की अवहेलना करते हुए सेवा समाप्ति जैसी कठोर कार्रवाई की जाती है, बिना पूर्व जांच अथवा स्पष्टीकरण का अवसर दिए, तो यह न केवल सेवा नियमों का उल्लंघन है, बल्कि संबंधित अधिकारी की जवाबदेही भी निर्धारित करता है।इस प्रकरण में यह अपेक्षित है कि जिला प्रशासन या संबंधित विभाग इस विषय पर संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष जांच कराएं और यदि आदेश जारी करने में नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो दोषी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री अभा वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में हुए शामिल

वैष्णव ब्राह्मण समाज का रहा है गौरवशाली इतिहास : विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री साय रविवार को रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ (चतु: संप्रदाय), मुंबई की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता कौशल्या की पावन भूमि छत्तीसगढ़ में वैष्णव ब्राह्मण समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित होना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। इस समाज की विभूतियों ने छत्तीसगढ़ में दानशीलता की अद्भुत मिसालें स्थापित की हैं। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में वैष्णव ब्राह्मण समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले समाज के प्रतिभावान व्यक्तियों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज ने सनातन धर्म को सशक्त बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। यह समाज केवल पुरोहित कर्म से ही नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन में भी सक्रिय रहा है। दानशीलता की महान परंपरा का परिचय देते हुए इस समाज ने कभी राजपाट तक दान कर दिए। राजनांदगांव की वैष्णव ब्राह्मण रियासत इसका अनुपम उदाहरण है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज एक दूरदर्शी और कल्पनाशील समाज है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव से विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने इस समाज के ऐतिहासिक योगदान को निकटता से देखा है। उच्च शिक्षा, रेलवे, उद्योग और पेयजल व्यवस्था के विकास में राजनांदगांव के राजपरिवार ने अभूतपूर्व योगदान दिया है। महंत दिग्विजय दास ने महाविद्यालय के लिए अपना महल दान किया, रेलवे के लिए विशाल भूमि दी, और बीएनसी कॉटन मिल की स्थापना की, जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिला। महंत घासीदास ने व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए नि:शुल्क भूमि देने की घोषणा की थी।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज सनातन धर्म की ध्वजवाहक है। इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के आयोजन से समाज और अधिक एकजुट होकर आगे बढ़ेगा।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पी. एल. बैरागी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल जे. के. वैष्णव, प्रदेश अध्यक्ष राकेश दास वैष्णव, विजय कुमार दास, राघवेंद्र दास वैष्णव, डॉ. सौरभ निर्वाणी, श्रीमती अंजना देवी वैष्णव, रजनीश वैष्णव उपस्थित थे।

मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर महिला से 2.83 करोड़ की ठगी

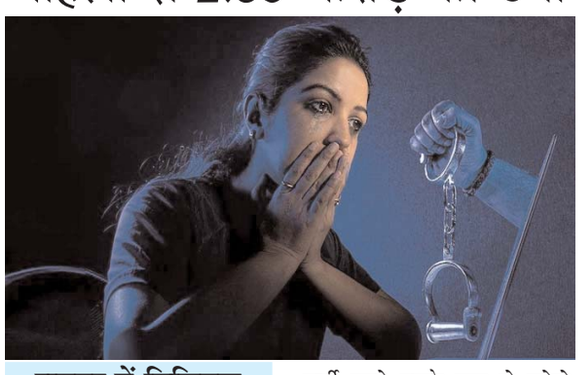

रायपुर में डिजिटल अरेस्ट का सबसे बड़ा मामला

रायपुर। राजधानी से मनी लॉन्ड्रिंग का डर दिखाकर साइबर ठगी का अब तक का सबसे बड़ा मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस अधिकारी बनकर ठगों ने 63 वर्षीय महिला से पूरे 2.83 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। तीन महीने तक चले इस हाईटेक फ्रॉड में महिला को 'डिजिटल अरेस्ट' में रखकर बैंक खातों में बार-बार पैसे ट्रांसफर कराए गए। मामला सामने आने के बाद विधानसभा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कैसे हुआ पूरा ठगी का खेल?- पीड़िता, जो सफायर ग्रीन विला निवासी हैं, ने पुलिस को बताया कि 21 मई 2025 को उनके पास एक कॉल आया। खुद को एसबीआई कस्टमर केयर बताने वाले शख्स ने कहा कि उनके क्रेडिट कार्ड पर बकाया राशि है। इसके बाद कॉल काटकर कहा गया कि उनका केस दिल्ली पुलिस को ट्रांसफर किया जा रहा है। कुछ देर बाद वीडियो कॉलिंगव्हाट्सएप नंबर से एक शख्स जुड़ा, जिसने खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताया। उसने पीड़िता की संपत्ति, गहने, बैंक डिटेल सहित सभी निजी जानकारियां लीं और बताया कि उनके आधार कार्ड से मनी लॉन्ड्रिंग हो रही है। कई फर्जी खाते उनके नाम से खोले गए हैं और मामला गंभीर है।

झांसे में आकर 2.83 करोड़ ट्रांसफर- ठगों ने कहा कि उनके निर्दिष्ट खातों में पैसे आरटीजीएस से ट्रांसफर करने होंगे ताकि जांच में सहयोग माना जाए। ठगों ने यह भी आश्वासन दिया कि सारा पैसा जांच पूरी होने के बाद वापस कर दिया जाएगा। डर के मारे महिला ने अलग-अलग खातों में कुल 2.83 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए।

जब ठगी का एहसास हुआ...- पैसे भेजने के कुछ दिन बाद जब महिला ने अपने पैसे वापस मांगे, तो ठगों ने व्हाट्सएप पर एक मैसेज भेजा— आपके साथ फ्रॉड हो गया है। यह पढ़कर पीड़िता के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत विधानसभा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

जांच जारी, आरोपी फरार- पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट और धोखाधड़ी की धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपियों ने फर्जी आईडी, सॉफ्टवेयर और नकली वीडियो कॉल के जरिए महिला को मानसिक रूप से भ्रमित कर पूरी रकम वसूली।

विधानसभा थाना प्रभारी के अनुसार, यह रायपुर में डिजिटल अरेस्ट और मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर हुई सबसे बड़ी साइबर ठगी है। बैंक डिटेल्स और कॉल रिकॉर्ड के आधार पर जांच तेज़ कर दी गई है।

गाँव-गाँव बैंकिंग सेवाएं पहुंचा रही बैंक सखी

रायपुर। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। योजना के अंतर्गत जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड के ग्राम चरईडाड़ निवासी श्रीमती जीनत परवीन, वर्ष 2019 से बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही हैं।

श्रीमती जीनत परवीन बताती हैं कि योजना से जुड़ने से पहले वे एक साधारण गृहिणी थीं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत जब उन्हें बैंक सखी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला, तो उन्होंने इसे पूरी लगन और निष्ठा से अपनाया। आज वे छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक

से जुड़ी बैंकिंग सेवाएं अपने गाँव और आसपास के ग्रामीणों तक पहुँचा रही हैं।

उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को खाता खोलने, पैसा जमा-निकासी, आधार लिंक, सामाजिक सुरक्षा पेंशन भुगतान और अन्य बैंकिंग सेवाओं में सहायता प्रदान कर रही हैं। उनकी मासिक बैंकिंग लेनदेन की राशि 35 से 40 लाख तक पहुँचती है, जिससे उन्हें नियमित रूप से अच्छा कमीशन के रूप में अच्छी राशि प्राप्त हो जाती है। यह सेवा न केवल उनके लिए रोज़गार का साधन बनी, बल्कि आत्मनिर्भरता और सामाजिक पहचान का माध्यम भी बनी है।

श्रीमती जीनत परवीन बताती है कि इस आमदनी से उन्होंने अपने कई सपने पूरे किए हैं। वर्ष 2022 में उन्होंने अपने लिए एक स्कूटी भी खरीदी, जिससे अब वह आसानी से ग्रामीण क्षेत्र में सेवा प्रदान कर रही हैं। वे बताती है कि बैंक सखी बनने के बाद जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है और अब वे अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी भी निभा रही हैं।

चार सूत्रीय मांगों को लेकर NSUI .ने किया तरपोंगी टोल प्लाजा का घेराव

रायपुर। तरपोंगी टोल प्लाजा पर शनिवार को ह्स्ड्ढ रायपुर जिला इकाई ने जोरदार प्रदर्शन किया। छात्र हित, स्थानीय रोजगार और नागरिक सम्मान से जुड़ी चार सूत्रीय मांगों को लेकर सैकड़ों छात्र कार्यकर्ता टोल प्लाजा के सामने धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन की अगुवाई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय और जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने की।

ये हैं ह्स्ड्ढ की चार प्रमुख मांगें:

ष्टत्त 04 पासिंग वाहनों से टोल टैक्स समाप्त हो ङ्क स्थानीय नागरिकों पर आर्थिक बोझ अस्वीकार्य है।

छात्रों को स्टूडेंट टोल पास की सुविधा मिले ङ्क पढ़ाई के लिए रोजाना सफर करने वाले विद्यार्थियों के लिए राहत जरूरी।

टोल कर्मचारियों के दुर्व्यवहार पर अंकुश लगे ङ्क वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं।

स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता मिले ङ्क बाहरी लोगों को नौकरी देने की बजाय क्षेत्रीय बेरोजगारों को मौका दिया जाए।

ये सिर्फ टोल की लड़ाई नहीं, सम्मान की आवाज़ है: नीरज पांडेय

प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा, यह आंदोलन टोल टैक्स से कहीं बड़ा है। यह उन छात्रों की आवाज़ है जो पढ़ाई के लिए रोज़ संघर्ष करते हैं, उन नागरिकों की लड़ाई है जो अपने ही

शहर में टैक्स से परेशान हैं, और उन युवाओं की पीड़ा है जिन्हें उनके ही घर में नौकरी नहीं मिल रही। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मांगे नहीं मानी गईं तो आंदोलन पूरे प्रदेश में फैलाया जाएगा।

अब यह संघर्ष रुकेगा नहीं: प्रशांत गोस्वामी

जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने कहा, युवाओं की यह आवाज़ अब थमेगी नहीं। शासन को जवाब देना होगा। यह लड़ाई अब जन आंदोलन बनेगी। ह्स्ड्ढ ने प्रशासन को 7 दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो राज्यभर में आंदोलन की चिंगारी फैलाई जाएगी।

प्रदर्शन में जुटे सैकड़ों कार्यकर्ता

प्रदर्शन में ह्स्ड्ढ के प्रमुख पदाधिकारी ङ्क अमित शर्मा, हेमंत पाल, राजा देवांगन, विशाल कुकरेजा, कुणाल दूबे, विकास राजपूताना, श्रेयांश परघनीया, संयम सिंह, शिवांक सिंह, हरिओम तिवारी और कई छात्र शामिल हुए।

NSUI का यह प्रदर्शन स्थानीय मुद्दों पर युवाओं की मुखर भागीदारी का प्रतीक बन गया है और आने वाले दिनों में इस पर प्रशासन की प्रतिक्रिया अहम मानी जा रही है।

तीसरी, छठवीं और नवमीं सभी कक्षाओं में राष्ट्रीय औसत से बेहतर परिणाम

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2025 में रायगढ़ जिले का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ

रायपुर। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा हर चार वर्ष में आयोजित होने वाले परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2025 में रायगढ़ जिले ने राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उत्कृष्टता साबित की है। दिसंबर 2024 में आयोजित इस सर्वेक्षण में रायगढ़ जिले के 91 स्कूलों के 325 शिक्षक और 2728 विद्यार्थी शामिल हुए थे। जिले के छात्रों ने कक्षा तीसरी, छठवीं और नवमीं तीनों स्तरों पर सभी विषयों में राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन करते हुए जिले को 'उदित' श्रेणी में शामिल कराया है।

इस सर्वेक्षण में शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय तथा अनुदान प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थियों को बहुविकल्पीय प्रश्नों के माध्यम से आंका गया। रायगढ़ जिले में यह अभियान कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी और सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में संचालित किया गया, जिसका परिणाम

सभी स्तरों पर अत्यंत सराहनीय रहा।

कक्षा तीसरी में भाषा विषय में रायगढ़ का औसत 70 प्रतिशत रहा, जो राष्ट्रीय औसत 64 प्रतिशत और राज्य औसत 59 प्रतिशत से कहीं अधिक है। गणित में भी रायगढ़ ने 68 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि राष्ट्रीय औसत 60 और राज्य औसत 57 प्रतिशत रहा। कक्षा छठवीं में भाषा में 64 प्रतिशत, गणित में 56 प्रतिशत और 'आस-पास की दुनिया' विषय में 59 प्रतिशत के साथ रायगढ़ ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं कक्षा नवमीं में भाषा विषय में 60 प्रतिशत, गणित में 39 प्रतिशत, विज्ञान में 43 प्रतिशत और सामाजिक विज्ञान में भी 43 प्रतिशत के साथ जिले ने राष्ट्रीय औसत से बेहतर परिणाम दर्ज किए।

इन आंकड़ों के आधार पर रायगढ़ को परख सर्वेक्षण की चार स्तरीय श्रेणी में 'उदित वर्ग में स्थान मिला है। यह श्रेणी केवल उन जिलों को प्रदान की जाती है, जिन्होंने तीनों कक्षाओं में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया हो। रायगढ़ के साथ तीसरी कक्षा में बालोद, बलरामपुर, बीजापुर, जशपुर, कोरिया, सूरजपुर और सरगुजा, छठवीं में बलरामपुर, बस्तर, बीजापुर और सरगुजा तथा नवमीं में बस्तर, बीजापुर, बिलासपुर, धमतरी और दुर्ग जिले भी इस श्रेणी में शामिल किए गए हैं। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के निष्कर्षों से यह भी सामने आया है कि रायगढ़ जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों का परिणाम शहरी क्षेत्रों से बेहतर रहा। इसके अलावा, बालिकाओं का प्रदर्शन भी बालकों की तुलना में तीनों कक्षाओं में अधिक बेहतर रहा है, जो जिले में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक सामाजिक बदलाव का संकेत है।

संक्षिप्त समाचार

अल्ट्राटेक की पहल: डिजिटल और व्यावसायिक कौशल से सशक्त हो रहा है छत्तीसगढ़ का ग्रामीण युवा

रायपुर। भारत की सबसे बड़ी सीमेंट तथा रेडी-मिक्स कंक्रीट प्रोडक्शन कंपनी, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर यह संकल्प दोहराया है कि वह ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के युवाओं को लाभकारी रोजगार, स्वरोजगार तथा आर्थिक सफलता के लिए आवश्यक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता रहेगा। आज के तीव्र गति से परिवर्तित हो रहे समय में, डिजिटल दक्षता और व्यावसायिक प्रशिक्षण युवाओं को विविध रोजगार संभावनाओं के द्वार खोलने में सहायता करते हैं।आदित्य बिड़ला समूह की पीढ़ियों से चली आ रही देन-दक्षिणा और देखभाल की परंपरा के अंतर्गत यह भावना विभिन्न स्थायी आजीविका योजनाओं के माध्यम से सक्रिय रूप से आगे बढ़ाई जा रही है। इन योजनाओं के अंतर्गत अब तक एक लाख से अधिक लोग कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भरता, सम्मानजनक जीवन और आत्म गौरव की भावना के साथ आगे बढ़ चुके हैं। अल्ट्राटेक में यह दर्शन संगठनात्मक संस्कारों का मूल है, जो समूह की समावेशी विकास की दृष्टि के साथ पूर्णत: समन्वित है। अल्ट्राटेक अपने कार्य क्षेत्रीय बस्तियोंमें युवाओं की रोजगार अभिलाषा को ध्यान में रखते हुए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करते हैं, जिससे उन्हें रोजगार योग्यता और स्थायी आजीविका के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें। ये प्रशिक्षण स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए जाते हैं और निरंतर सीखने वाले वातावरण को प्रोत्साहित करते हैं। कई ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं घरेलू जिम्मेदारियों और खेती-बाड़ी से जुड़ी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, किन्तु उन्हें अक्सर औपचारिक कौशल प्रशिक्षण के अवसर नहीं मिल पाते जो उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बना सकें। अल्ट्राटेक अपने लक्षित नागरिक उत्तरदायित्व कार्यक्रमों को हिरमी सीमेंट यूनिट और रावन सीमेंट यूनिट के माध्यम से संचालित करता है, जो छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले में स्थित इसकी दो समेकित निर्माण इकाइयाँ हैं। इन केंद्रों का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को कौशल प्रदान कर सशक्त बनाना है। इन इकाइयों में प्लंबिंग, सिलाई, सौंदर्य सेवा प्रशिक्षण जैसे विविध रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं, जो प्रतिभागियों की रुचियों और करियर विकल्पों के अनुरूप हैं। इसके साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं जिनमें कंप्यूटर संचालन, इंटरनेट सुरक्षा, और उन्नत आईटी अनुप्रयोग जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे ग्रामीण युवा तकनीक का प्रभावी व जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग कर सकें। इन कार्यक्रमों से प्रशिक्षुओं में उद्यमशीलता भावना का विकास हुआ है और कई युवाओं ने अपने पसंदीदा मार्ग पर व्यवसाय या करियर की शुरुआत भी की है।

एचडीएफसी बैंक 'परिवर्तन' के तहत कौशल विकास व आजीविका संवर्धन कार्यक्रमों के माध्यम से 7.2 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया

मुंबई। एचडीएफसी बैंक ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर बैंक के सीएसआर कार्यक्रम 'परिवर्तन' की शुरुआत से अब तक पूरे भारत में 7.2 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किए जाने की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रकाश डाला है। बैंक के पास वर्तमान में विभिन्न राज्यों में कौशल विकास के क्षेत्र में 70 से अधिक सक्रिय परियोजनाएँ हैं, जो आईटी/आईटीईएस, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और कृषि सहित कई क्षेत्रों को कवर करती हैं।

कौशल विकास और आजीविका संवर्धन, बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का एक प्रमुख केंद्र बिंदु है, जो सभी सीएसआर पहलों के लिए इसका अम्ब्रेला ब्रांड है। इसकी पहल दो प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है:

क) रोजगार सृजन के लिए कौशल विकास

ख) विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में उद्यमिता पर जोर देते हुए आजीविका में वृद्धि।

रोज़गार सृजन कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचे (एनएसक्यूएफ) से जुड़े तीन से छह महीने के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं, जो वित्त और व्यावसायिक सेवाएँ, खुदरा और बिक्री, आतिथ्य और पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, आईटी और आईटी सक्षम सेवाएँ, निर्माण और विनिर्माण, सौंदर्य और कल्याण, परिधान और वस्त्र, और शिक्षा और प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों को कवर करते हैं। इन कार्यक्रमों में 60 से 70 प्रतिशत तक प्लेसमेंट दर हासिल की गई है। बैंक के कौशल केंद्रों में हाल ही में जयपुर में परिवर्तन कौशल अकादमी भी शामिल हुई है, जो स्थायी रोज़गार और उद्यमिता के लिए स्थानीय स्तर पर प्रासंगिक प्रशिक्षण मार्ग प्रदान करती है। यह अकादमी पूरे भारत में एक व्यापक नेटवर्क का हिस्सा है, जिसके माध्यम से एचडीएफसी बैंक का लक्ष्य आने वाले वर्षों में कुल 2 लाख युवाओं को कौशल प्रदान करना है। इसके साथ ही, किसानों, स्वयं सहायता समूहों और समुदाय-आधारित उद्यमों सहित छह लाख से अधिक व्यक्तियों को परिवर्तन की आजीविका संवर्धन और उद्यमिता पहलों से लाभ हुआ है, जो स्थायी आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देती हैं। इन पहलों के माध्यम से विकसित कौशलों में बकरी पालन, मधुमक्खी पालन, हथकरघा बुनाई, मशरूम की खेती, वर्मी कम्पोस्ट और जैविक खेती शामिल हैं।

बीजापुर की चंद्रकला और पामगढ़ की शालू एशिया कप सॉफ्टबॉल चौंपियनशिप में

रायपुर। बीजापुर जिले की धरती एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का परचम लहराने जा रही है। जिले के आवापली गांव की होनहार खिलाड़ी चंद्रकला तेलम का चयन भारतीय सॉफ्टबॉल टीम में एशिया कप सॉफ्टबॉल चौंपियनशिप 2025 के लिए हुआ है, जो 14 से 20 जुलाई तक शियान, चीन में आयोजित होगी। चंद्रकला के साथ ही जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ की शालू डहरिया भी भारतीय टीम का हिस्सा होंगी, जो पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। खास बात यह है कि भारतीय टीम के कोच के रूप में बीजापुर जिले के श्रम निरीक्षक सोपान कर्णेवार की नियुक्ति हुई है। इससे पहले भी कर्णेवार के कोचिंग में जिले के अनेक खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। भारतीय टीम का गठन कई कठिन चयन परीक्षाओं के बाद हुआ है। चंद्रकला तेलम को अनंतपुर (आंध्र प्रदेश), नागपुर, श्रीनगर एवं इंदौर में आयोजित चयन परीक्षण और विशेष कोचिंग कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है। भारतीय दल को नई दिल्ली में अंतिम प्रशिक्षण के बाद 13 जुलाई को शियान, चीन के लिए रवाना किया जाएगा। बीजापुर और जांजगीर-चांपा जिले के कलेक्टर ने भी टीम को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

संपादकीय

आतंकवाद के खिलाफ मुहिम जारी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले को आर्थिक युद्ध का नया कृत्य बताया। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'न्यूजवीक' के साथ मैनहट्टन में हुई बातचीत में उन्होंने परमाणु ब्लैकमेल की पाकिस्तान की नीति का जवाब देने की बात भी कही। जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम अब यह स्वीकार नहीं करेंगे कि आतंकवादी छद्म हैं। इस मामले में पाकिस्तान पूरी तरह दोषी है। पहलगाम में छब्बीस पर्यटकों की निर्मम हत्या के लगभग दो महीनों बाद उन्होंने विस्तार में यह बात की। भारत ने इस आतंकवादी घटना के बाद सीमापार स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला कर दिया था। विदेश मंत्री ने साफ कहा, हम सुरक्षा करेंगे। अपने लोगों की रक्षा करने के अधिकार का हम प्रयोग करेंगे। साथ ही कहा कि हम आतंकवाद पर बातचीत करने को इच्छुक हैं। लेकिन यदि वे आतंकवाद जारी रखते हैं तो मुझे लगता है यह यथार्थवादी नहीं है। यह भी कहा कि आप एक साथ अच्छे पड़ोसी और आतंकवादी नहीं हो सकते। हालांकि पाक सरकार विभाजित कश्मीर में हत्याओं या हमलों में किसी भी तरह का हाथ होने से इंकार करती रही है। उनकी तरफ से भारत पर जवाबी हमले भी किए गए थे और चेतावनी दी गई थी कि यदि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु हथियारों का सहारा भी ले सकता है। यह शायद पहली मर्तबा था, जब भारत ने दुश्मन मुल्क के भीतर घुसकर आतंकी ठिकानों का जबरदस्त तौर पर सफाया किया जिसका समूची दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत अब आतंकवादियों के प्रति कोई मुर्वत नहीं करने वाला। पाक में जारी राजनीतिक अस्थिरता और उथल-पुथल के दौरान आतंकवादियों के हौंसले बुलंद होते जा रहे थे। हालांकि सीमापार आतंकवाद की यह मामला बेहद जटिल है, इसलिए इसका समाधान आसानी से नहीं किया जा सकता। परंतु भारत द्वारा अपने पड़ोसी मुल्कों से संबंध सुधारने के प्रयासों पर गंभीर बात करने के संकेत दिए जा रहे हैं। पहले भी पाकिस्तान सरकार द्वारा वांछित आतंकवादियों को प्रश्रय देने के कारण उनकी नीयत पर संदेह किया जाता रहा है। प्रशिक्षित आतंकवादियों के सीमापार से चोरी-छिपे घुसपैठ से देश की न सिर्फ शांति भंग होती है, बल्कि जान-माल का भी भारी नुकसान होता है। सरकार द्वारा उठाए गए सख्त कदमों से अब समूची दुनिया को सहमत होना ही होगा। मानना होगा कि यह किसी मुल्क विशेष की बजाय आतंकवाद के खिलाफ जारी मुहिम है।

साइबर क्राइम के तौर-तरीकों में भी बदलाव

कुमार समीर

समय के साथ साइबर क्राइम करने वालों ने अपने तौर-तरीकों में भी बदलाव किया है। कहा तो यहां तक जाने लगा है कि इससे कोई नहीं बच सकता। चाहे किसी ने चूक की हो या नहीं। इसकी पहुंच का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इन लोगों ने साइबर क्राइम पुलिस तक को नहीं छोड़ा है। इन लोगों का दुस्साहस देखें कि जूनागढ़ साइबर क्राइम पुलिस की ईमेल आईडी हैक कर बैंक में फ्रीज रकम को अनफ्रीज करने तक की कोशिश की गई। हालांकि इस धोखाधड़ी की योजना तब फेल हो गई जब ईमेल में विषय (सब्जेक्ट) वाला स्थान खाली मिला जिससे बैंक को शक हुआ और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। गनीमत रही कि एक छोटी सी चूक के कारण अपराधी पकड़ में आ गया लेकिन ऐसे कई मामले हैं, जिनमें साइबर क्राइम करने वाले सफल रहे हैं। ताजा मामला देश की राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा का है। यहां फर्जी ईमेल आईडी के जरिए एक अस्पताल के कर्मचारी ने दिल्ली नगर निगम से कैशलेस इलाज के 74.90 लाख रु पये अस्पताल के अकाउंट में डलवाने की बजाय अपने अकाउंट में डलवा लिए। मामला साइबर क्राइम पुलिस के पास है, और वह इसकी जांच कर रही है। ये दो मामले तो बानगी हैं, लेकिन अगर करोड़ों अकाउंट्स के पासवर्ड चोरी कर लिया जाए तो फिर क्या स्थिति होगी, इसका अंदाजा लगाने भर से सिहरन पैदा होने लगेगी कि कहीं हमारे अकाउंट्स का पासवर्ड भी चोरी न हो गया हो। जी हां, इस तरह का एक बड़े डेटा लीक का नया मामला सामने आया है। इसमें लगभग 1600 करोड़ पासवर्ड के लीक होने की बात है, और इसने इसे इतिहास के सबसे बड़े डेटा लीक में से एक बना दिया है। साइबर न्यूज और फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस लीक की वजह से लाखों यूजर्स का पर्सनल डेटा अब रिस्क पर है। इन पासवर्ड्स की मदद से साइबर अपराधी यूजर्स की निजी जानकारी, फोटो, वीडियो और दूसरी जानकारी चुरा सकते हैं यानी फिशिंग स्कैम, डेटा चोरी और अकाउंट्स हैकिंग का खतरा हो सकता है। इस डेटा की मदद से साइबर अपराध के जोखिम कई गुना बढ़ सकते हैं। रिसर्चर्स ने इस डेटाबेस को खंगाला है, और इसके 30 डेटासेट की जांच की है। उन्हें करीब 350 करोड़ रिकार्ड मिले हैं, जिनमें कॉरपोरेट और डवलपर प्लेटफार्म, वीपीएन लॉगिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के यूजर्स के क्रेडेंशियल शामिल हैं। यह डेटा 2025 की शुरुआत से लेकर आज तक का है। रिसर्चर्स का दावा है कि ऑनलाइन लीक हुआ यह डेटा साधारण नहीं है। सिक्योरिटी रिसर्चर्स का भी कहना है कि यह इंटरनेट पर पड़ा पुराना डेटा नहीं है। ज्यादातर डेटा नया है जिन्हें..मैलवेयर के जरिए इकठ्ठा किया गया है। यह मैलवेयर प्रोग्राम लोगों का डेटा चुपके से चुराता है। चोरी के इस डेटा में यूजरनेम और पासवर्ड होते हैं, जिन्हें मैलवेयर यूजर्स के फोन से चुराकर हैकर को भेजता है। हैकर्स इस डेटा का सीधे इस्तेमाल कर सकते हैं, या फिर इन्हें डार्क वेब फोरम पर बेच सकते हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो लीक हुए डेटा में यूजर्स की डिटेल्स इनफार्मेशन हैं, जो अलग-अलग सर्विसेस के लिए हैं। इनमें यूजर्स के ईमेल से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, गूगल और टेलीग्राम तक की डिटेल्स हैं। यहां तक कि इनमें..पर डवलपर्स की अकाउंट्स डिटेल्स और कुछ सरकारी पोर्टल्स की भी जानकारी है। ज्यादातर जानकारी को एक फॉर्मेट में आर्गेनाइज किया गया है, जिसमें वेबसाइट लिंक, इसके बाद यूजरनेम और पासवर्ड लिखा है। इसकी वजह से साइबर अटैकर्स के लिए इनका इस्तेमाल आसान हो जाता है। एक्सपर्ट्स इस लीक को ग्लोबल साइबर क्राइम का ब्ल्यूप्रिंट बता रहे हैं।

हिंदी विरोध के जरिए राष्ट्रीय मानस पर चोट

उमेश चतुर्वेदी

इसे राजनीतिक विद्रूप ही कहेंगे कि हिंदी को राजभाषा बनाने का विचार देने वाली मराठी माटी पर ही हिंदीभाषियों को अपमानित किया जा रहा है। महाराष्ट्र की धरती पर हिंदीभाषियों को अपमानित करने में राजनीति के दो चेहरे साफ नजर आ रहे हैं। एक तरफ अपमानित करने वाली शिवसेना और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे है तो दूसरी तरफ राज्य की सत्ता है। हिंदीभाषियों को अपमानित करने वाली राजनीति का मकसद हिंदी विरोध पर मराठी मानुष की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए अपना वोट बैंक मजबूत करना है तो दूसरी तरफ सत्ता और विपक्ष के एक हिस्से की राजनीति है, जो अपमानित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई इस डर से नहीं कर रही कि कहीं इससे मराठी मानुष की धारणा कमजोर ना हो जाए और उसके जरिए उसका अपना समर्थक आधार ना खिसक जाए। राजनीति की इस चक्करघिन्नी में निम्न मध्यवर्गीय या हाशिये वाला हिंदीभाषी समुदाय ही पिस रहा है। उसका अपराध यह है कि वह महाराष्ट्र में रहते हुए मराठी ना बोलकर हिंदी बोल रहा है।

हिंदी बोलने के लिए हिंदीभाषियों को प्रताड़ित करने वाली राजनीति का अतीत भी ऐसा ही रहा है। शिवसेना का उभार पिछली सदी के साठ के आखिरी वर्षों में मुंबई में मलयालम बोलने वालों को खिलाफ आंदोलन के बाद हुआ। मनसे के कार्यकर्ता 2008-09 के दौरान तो केंद्रीय नौकरियों के लिए मुंबई में परीक्षाएं देने आए उत्तर भारतीय विशेषकर उत्तर प्रदेश-बिहार के छात्रों को को खुलेआम पिटते रहे। उस समय की राज्य सरकार ने इस बदसलूकी के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने से बचती रही थी और आज की सरकार का भी कुछ वैसा ही रवैया है। मराठी मानुष का बोध महाराष्ट्र में इतना गहरा है कि सरकारें चाहें जिस भी दल की हो, इस मसले पर तकरीबन एक जैसा रूख अपनाने से परहेज नहीं करतीं।

भारत की संपर्क भाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी को स्थापित करने का विचार देने में महाराष्ट्र की हस्तियों का बड़ा योगदान रहा है। लोकमान्य तिलक ने बंग-भंग के वक्त 1905 में वाराणसी की यात्रा की थी। वहां उन्होंने नागरी प्रचारिणी सभा के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जो कहा था, उसे महाराष्ट्र की हिंदीविरोधी राजनीति को जानना चाहिए। तिलक ने कहा था, 'नि:संदेह हिंदी ही देश की संपर्क और राजभाषा हो सकती है। लोकमान्य अकेले मराठी मानुष नहीं हैं, जिन्होंने हिंदी को लेकर यह विचार दिया। 1960 से पहले आज का गुजरात राज्य भी महाराष्ट्र का ही हिस्सा था। 1880 में गुजराती कवि नर्मदाशंकर दवे उर्फ नर्मद कवि ने लोकमान्य से करीब चौथाई सदी पहले हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में आगे लाने का सुझाव दिया था।

हिंदी को स्थापित करने की महात्मा गांधी की कोशिशों से भला कौन इनकार कर सकता है। 1918 में गांधी जी की अध्यक्षता में हुए इंदौर के हिंदी साहित्य सम्मेलन को हर हिंदीप्रेमी जानता है। लेकिन बहुत कम लोगों को

पता है कि गांधी जी ने 1917 में भरूच में आयोजित गुजरात शैक्षिक सम्मेलन में पहली सार्वजनिक तौर पर हिंदी की ताकत को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा था, भारतीय भाषाओं में केवल हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है जिसे राष्ट्रभाषा के रूप में अपनाया जा सकता है। हिंदी के प्रचार को राष्ट्रीय कार्यक्रम मानने वाले काका कालेलकर भी मराठी भाषी ही थे। सतारा में जन्मे कालेलकर ने 1938 में कहा था, 'राष्ट्रभाषा प्रचार हमारा राष्ट्रीय कर्म है।' रचनात्मक आंदोलनकारी और गांधी जी के शिष्य विनोबा भी ताजिंदगी हिंदी के संघर्षरत रहे। उन्होंने हर भारतीय भाषा को एक-दूसरे के करीब लाने के लिए अनूठा सुझाव दिया था। उन्होंने हर भाषा से नागरी लिपि अपनाने का सुझाव दिया था।

सिर्फ राजनीति ही नहीं, पत्रकारिता जगत की मराठीभाषी हस्तियों ने भी हिंदी को स्थापित करने में रचनात्मक भूमिका निभाई है और साहस दिखाया है। हिंदी पत्रकारिता आज जिस मुकाम पर है, उसमें बड़ा योगदान मराठीभाषी पत्रकारों और लेखकों का भी है। माधव राव सप्रे, बाबूराव विष्णुराव पराड़कर, रामकृष्ण खाडिलकर, लक्ष्मण नारायण गर्दे जैसे पत्रकारों ने हिंदी को नई शैली में गढ़ा, उसके शब्द गढ़े, और उसे ऊंचाई दी। हिंदी इन मराठीभाषी महात्मनों की शुक्रगुजार है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से निकले धर्मयुग ने दशकों तक हिंदीभाषी पाठकों के दिलों पर राज किया। ऐसे महाराष्ट्र की धरती पर अगर हिंदी बोलने वालों का अपमान होना दुखद ही कहा जाएगा।

हिंदी को लेकर महाराष्ट्र की धरती पर अतीत में ऐसी सोच नहीं रही है। हिंदी विरोध की ग्रंथि तमिलनाडु में आजादी के पहले से ही रही है, जिसका संक्रमण कर्नाटक तक पहुंचा है। कर्नाटक रक्षण वेदिके ने 2017 में हिंदी बेड़ा अभियान यानी हिंदी विरोधी अभियान चलाया। साल 2019 में हिंदी दिवस न मनाने के लिए भी राज्य में अभियान चला। शुरू में इन विरोध प्रदर्शनों को बड़ा समर्थन नहीं मिला। राजनीति और मीडिया के हलकों में इसकी सुरसुरी दिखी। ऐसे आंदोलनों का असर बाद में पता चलता है। जब विरोध की वैचारिकी के असर में जमीनी स्तर की सोच बदलने लगती है। एक राष्ट्रीयकृत बैंक की स्थानीय शाखा के प्रबंधक से जबरदस्ती हिंदी बोलने के लिए हुज्जत करने का दृश्य हो या फिर किसी ऑटोवाले का किसी हिंदीभाषी लड़की को थप्पड़ मारना, कर्नाटक में हिंदी विरोधी आंदोलन की जमीनी परिणति ही कहा जाएगा।

निजाम का शासन कर्नाटक के उत्तरी हिस्से में रहा। दिल्ली सल्तनत के बादशाह मोहम्मद तुगलक ने 1327 ईस्वी में दिल्ली से महाराष्ट्र के दौलताबाद में अपनी राजधानी लेकर गया था। जिसे आज का महाराष्ट्र देवगिरि के नाम से जानता है। उसके साथ भी हिंदी वहां तक पहुंची थी। महाराष्ट्र का विदर्भ इलाका राज्य पुनर्गठन से पहले मध्य प्रांत और बरार का हिस्सा रहा। इस वजह से विदर्भ भी मोटे तौर पर हिंदी के प्रभाव वाला राज्य है। शायद यही वजह रहा कि महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर विवाद नहीं रहा। विवाद की वजह अब मनसे और शिवसेना की राजनीति बनी है। इसका कारण नई शिक्षा नीति का वह प्रावधान है, जिसके तहत प्राथमिक स्तर पर भारतीय भाषायों के जरिए शिक्षा देने का प्रावधान है। इसके तहत जब प्राथमिक स्तर पर हिंदी में पढ़ाई कराने का आदेश आया तो राज्य की राजनीति में अपनी जगह खोज रहे शिवसेना-उद्धव और मनसे को हिंदी विरोध में ही अपना भविष्य नजर आया। एकनाथ शिंदे के अलग होने के बाद से शिवसेना-उद्धव भी परेशान है और शिवसेना से अलग होने के बाद से मनसे प्रमुख राज ठाकरे अपना राजनीतिक वजूद की खोज में हैं। दिलचस्प यह भी है कि अतीत में सत्ता और उत्तराधिकार के चलते अलग राह चुनने वाले दोनों चचेरे भाई उद्धव और राज एक कश्ती पर सवार होने की तैयारी में है और उसके लिए उन्होंने हिंदी विरोध की नाव तैयार की है।

हिंदी विरोध को लेकर सवाल यह भी है कि मराठी मर्द राज ठाकरे की ताकत हजारों करोड़ का कारोबार करने वाली हिंदी फिल्मों के गढ़ में जाने से क्यों हिचकती है? कर्नाटक हो या तमिलनाडु, वहां के भी फिल्म निर्माताओं को जब सौ, दो सौ या पांच सौ करोड़ क्लब में शामिल होना होता है, हिंदी के बाजार पर ही उनका ध्यान जाता है। हिंदी के बाजार से प्यार और हिंदीभाषियों से दुर्व्यवहार-दोनों एक साथ नहीं चल सकते। जिस तरह का व्यवहार हिंदीभाषियों के साथ हिंदी विरोध के नाम पर हो रहा है, अगर वैसा ही व्यवहार इन राज्यों के निवासियों के साथ हिंदीभाषी इलाकों में होने लगे तो क्या होगा,राजनीति को इस पर भी सोचना होगा। हिंदी को संपर्क भाषा इसलिए स्वीकार किया गया, क्योंकि वह देश को जोड़ने की कूव्वत रखती है। जबकि आज की राजनीति अपनी स्थानीय भाषाओं के नाम पर जिस भावना को फैला रही है, उससे देश का मानस बंटेगा..मानस बंटेगा तो देश में विघटन की प्रक्रिया को बढ़ावा मिल सकता है। राजनीति चाहे जिस पक्ष की हो, उसे इस नजरिए से हिंदी के विरोध को देखना होगा।

मोदी-योगी ने बदली पूर्वांचल की तस्वीर, स्थानीय लोगों को मिला रोजगार, महिलाओं को सम्मान

तीन महीने तक समूह चर्चा, साक्षात्कार और आंकड़ों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकला कि इस योजना ने स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक विकास और सामाजिक समरसता के क्षेत्रों में व्यापक सकारात्मक बदलाव किए हैं। पंचायती राज के प्रतिनिधि, स्थानीय निकाय और जिला से लेकर ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के सहयोग से हर जिले के पांच-पांच गांवों का सर्वे कर परिवर्तन का गहनता से अध्ययन किया गया है।

लखनऊ। पूर्वांचल के ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ पेयजल पहुंचाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने क्षेत्र की दशा और दिशा बदल दी है। जल जीवन मिशन के प्रभाव का आकलन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवी संगठन वाटरएड इंडिया और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि के जियोग्राफी डिपार्टमेंट ने पूर्वांचल के गोरखपुर मंडल के तीन जिलों गोरखपुर, कुशीनगर और महाराजगंज में विस्तृत अध्ययन किया। तीन महीने तक समूह चर्चा, साक्षात्कार और आंकड़ों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकला कि इस योजना ने स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक

विकास और सामाजिक समरसता के क्षेत्रों में व्यापक सकारात्मक बदलाव किए हैं। पंचायती राज के प्रतिनिधि, स्थानीय निकाय और जिला से लेकर ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के सहयोग से हर जिले के पांच-पांच गांवों का सर्वे कर परिवर्तन का गहनता से अध्ययन किया गया है।

अब अधिकांश परिवार नल के पानी का कर रहे उपयोग- वाटरएड इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वांचल के 93 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक अब नल से शुद्ध और सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है। पहले जहां लोग कुएं, हैंडपंप या अन्य स्रोतों पर निर्भर थे, वहीं अब अधिकांश परिवार पीने से लेकर खाना पकाने तक के लिए नल के पानी का उपयोग कर रहे हैं। इससे पुराने जल स्रोतों पर निर्भरता में भारी कमी आई है।

स्वास्थ्य में सुधार, बीमारियों पर नियंत्रण- स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों में जल जनित और संक्रामक रोगों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार अब लोगों को पेट संबंधी बीमारियों, त्वचा रोगों और दस्त जैसी समस्याओं से राहत मिल रही है। इससे न केवल चिकित्सा खर्च कम हुआ है, बल्कि लोगों की कार्यक्षमता भी बढ़ी है।

शिक्षा में बढ़ी भागीदारी, स्कूलों में नल कनेक्शन- जल जीवन मिशन के तहत स्कूलों में भी नल कनेक्शन पहुंचने से स्वच्छता स्तर में सुधार हुआ है। बच्चों को शुद्ध पानी मिल रहा है जिससे वे कम बीमार पड़ते हैं। इसका सीधा असर शैक्षिक उपस्थिति में वृद्धि और ड्रॉपआउट दर में कमी के रूप में सामने आया है। ग्रामीणों ने बताया कि अब बच्चे अधिक नियमित रूप से स्कूल जा रहे हैं।

स्थानीय रोजगार सृजन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल- पाइपलाइन बिछाने, पानी की टंकी का निर्माण और देखरेख जैसे कार्यों में स्थानीय लोगों को काम मिला है। इससे ग्रामीणों की आय में बढ़ोतरी हुई है और उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। खासकर तकनीकी कार्यों के लिए प्रशिक्षित युवाओं को लाभ मिला है।

महिलाओं को मिला सम्मान, सामाजिक समरसता को बढ़ावा- पहले जहां महिलाओं को मीलों दूर से पानी लाना पड़ता था, वहीं अब नल का जल घर तक पहुंचने से उनका श्रम और समय दोनों बच रहा है। महिलाएं अब अन्य रचनात्मक कार्यों में भागीदारी कर रही हैं। समाज में भेदभाव की स्थिति में भी कमी आई है, जिससे सामाजिक समरसता और पारिवारिक सौहार्द बढ़ा है।

गांवों में गहन अध्ययन, ग्रामीणों ने जताया संतोष- इस त्वरित अध्ययन में प्रत्येक जिले के पांच-पांच गांवों को शामिल किया गया। सर्वे में भाग लेने वाले अधिकतर ग्रामीणों ने माना कि हर घर जल योजना ने उनके जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन किया है। स्वच्छ जल की उपलब्धता ने उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन जीने का भरोसा दिया है।

चारधाम में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त बहुत चिंताजनक स्थिति

सुरेश भाई

मनुष्य अपनी यात्रा को आरामदायक और जल्दी पूरा करने के लिए हेली सेवाओं का इस्तेमाल बड़ी तेजी से कर रहा है। आजकल मध्य हिमालय की देवभूमि उत्तराखंड स्थित चारधाम के दर्शन करने पहुंच रहे यात्री भी हेली सेवाओं के उपयोग करने में पीछे नहीं हैं।

अनेक कंपनियों के हेलीकॉप्टर यहां बड़ी संख्या में उड़ान भर रहे हैं, जिनके लिए गाइडलाइंस बनाई गई हैं। बावजूद इसके यात्रा शुरू होने के पिछले 40 दिनों में पांच हेलीकॉप्टर क्रैश हो गए हैं, अनेक तीर्थ यात्रियों की जान गई है।

इस उच्च हिमालयी क्षेत्र की संकरी घाटियों और ऊंचे-ऊंजे पर्वतों के बीच से गुजर रहे हेलीकॉप्टर्स पहले भी दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। अंधाधुंध उड़ानें और उनकी तेज आवाज हिमालय की पारिस्थितिकी पर विपरीत प्रभाव डाल रही हैं। हेलीकॉप्टरों की उड़ान के लिए मंदाकिनी नदी के तट से 600 मीटर की ऊंचाई तक का मानक है। यात्रियों की सुरक्षा के विषय पर भी विशेष सावधानी बरतने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं, लेकिन हेलीकॉप्टरों की गड़गड़ाहट से उच्च हिमालयी क्षेत्रों की जैव-विविधता को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

भारतीय वन्य जीव संस्थान द्वारा भी इस हिमालय क्षेत्र में उड़ानों के संबंध में सुझाव दिए गए हैं, जिन्हें केदारनाथ की हेली सेवाओं की गाइडलाइंस में शामिल किया गया है। यहां एक बार में दो हेलीकॉप्टर ही आना-जाना कर सकते हैं। सायं के समय की उड़ान पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद यहां पर स्थित दुर्लभ वन्य जीव हिम तेंदुए, कस्तूरी मृग, भरड़, भालू, मोनाल समेत अनेक वन्य जीवों व पक्षियों के झुंड के बीच नीची उड़ान के कारण भगदड़ मच जाती है, जिस कारण असुरक्षित दिशा में भागने से इन बेजुबान जानवरों की चट्टानों से गिर कर मौत हो जाती है। वन विभाग भी इस बाबत चेतावनी देता रहता है, लेकिन जीव-जंतुओं का जान गंवाना जारी है।

चिंताजनक है कि हजारों हैक्टेयर में फैले केदारनाथ अभयारण्य, गंगोत्री वन्य जीव पार्क के जीव-जंतु सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हेलीकॉप्टरों की नीची उड़ान के कारण वन्यजीवों के सहवास पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इस कारण उनकी संख्या भी घट सकती है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नीची उड़ान के कारण ग्लेशियरों के पिघलने की दर भी बढ़ सकती है जबकि पर्यटकों और सैलानियों के सैर-सपाटे लिए ओम पर्वत जैसे ग्लेशियरों के ऊपर भी उड़ानें भरी जा रही हैं। अनियंत्रित पर्यटकों की आवाजाही इसका सबसे बड़ा कारण है क्योंकि बहुत समय से अनुभव किया जा रहा है कि चारधाम के यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए जब-जब राज्य सरकार और पर्यावरणविद् पहल करते हैं, तो स्थानीय स्तर पर पर्यटन से आय प्राप्त करने वाले संस्थान विरोध पर उतारू हो जाते हैं।

मध्य हिमालय में पहुंच रहे पर्यटक कम पैसे, कम समय में आरामदायक दर्शन करने के लिए हेली सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं, ऐसे में में सावधानी के लिए बनाई गई गाइडलाइंस का इस्तेमाल नहीं होता है तो उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर की क्रैश होने की घटनाओं को रोका नहीं जा सकेगा। लापरवाही और मानकों की अनदेखी से दुर्घटनाएं हो रही हैं। अंधाधुंध हेली सेवाओं के ऊपर विशेष जांच और मॉनिटरिंग की आवश्यकता है जिसमें तकनीक आदि को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। मौसम विभाग की अधिकतर सूचनाएं सही साबित हो रही हैं। इसको भी ध्यान में रख कर उड़ानों पर नियंत्रण हो।

चारधाम में मई और जून के महीने में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं ने बहुत चिंताजनक स्थिति खड़ी की है जिसमें सबसे पहले 8 मई को उत्तरकाशी के गंगनानी में हेलीकॉप्टर क्रैश में 6 लोग मारे गए थे जिसके चार दिन बाद बद्रीनाथ से लौट रहा एक अन्य हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। 17 मई को एम्स की हेली एंबुलेंस किसी यात्री को लिफ्ट करने केदारनाथ जा रही थी, लेकिन क्रैश हो गई। 8 जून को केदारनाथ जाने वाला एक और हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। 15 जून को केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहा है एक हेलीकॉप्टर गौरीकुंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें सात लोगों की जान चली गई।

दूसरी ओर देखा जाए तो केंद्र सरकार ने चारधाम के लिए चौड़ी सड़कों का निर्माण लगभग पूरा कर दिया है, और इसमें दो बड़ी गाड़ियों के लिए आने- जाने की सुविधा है। जितने अधिक से अधिक लोग बस, टैक्सी और जमीन पर चलने वाले वाहनों से यात्रा करेंगे उससे स्थानीय होटल और ढाबों को भी रोजगार मिलेगा। पर्यटकों, यात्रियों, सैलानियों को भी यहां की प्रकृति का नजारा देखने को मिलेगा। बाहर से आने वाले लोगों की मुलाकात स्थानीय लोगों से होगी, वे यहां की संस्कृति और प्रकृति के साथ अनुकूल व्यवहार भी करेंगे। उत्तराखंड हिमालय की संवेदनशील स्थिति और यहां के पर्यावरण से प्लास्टिक उन्मूलन को ध्यान में रखते हुए बाहर से आने वाले लोगों की जिंदगी को बचाने के साथ ही हिमालय के इकोसिस्टम को भी बचा कर रखना होगा।

बाल बनेंगे सिल्की

काले, घने व सिल्की बाल की तमन्ना हर लड़की की होती है। अगर आप भी ऐसे बालों की ख्वाहिश रखती हैं, तो इन टिप्स को फॉलो करें।

आप अपने चेहरे की तरह ही बालों को भी चमकदार बनाने की सोच रही हैं, तो ऑलिव ऑइल ट्राई कर सकती हैं। इसके एक नहीं, बल्कि कई फायदे हैं। यही देखते हुए एक्सपर्ट्स ऑलिव ऑयल से ना सिर्फ खाना बनाने, बल्कि इसे बालों के लिए यूज करने की भी सलाह देते हैं। यहां आप इससे संबंधित कुछ ऐसे तरीके जान सकती हैं, जिनसे आपके बाल शाइनी और सिल्की दिखेंगे।

- आप किसी बर्तन में आधा कप ऑलिव ऑइल डालें और इसे गर्म करें। ध्यान दें कि यह बहुत गर्म ना हो। इसे इतना गर्म करें कि आप अपनी अंगुलियां इसमें आराम से टच कर पाएं।
- इसे लगाने से पहले कंधे पर टॉवेल रख लें।
- हथेली पर थोड़ा सा तेल लगाकर बालों की मसाज करें। इससे स्काल्प की मसाज भी करें। अगर ये ड्राई है तो और भी ध्यान दें। लेकिन अगर स्काल्प ऑयली है, तो इस पर ज्यादा तेल ना लगाएं। बालों की जड़ों से आधे इंच की दूरी से पहले तक ही तेल लगाएं। जड़ों को ऐसे ही छोड़ दें। उंगली के पोरों से मसाज करेंगी, तो बालों की ग्रोथ अच्छी होगी।
- अब अपने बालों को एक गर्म किए टॉवेल से बांध लें। आप गर्म पानी में तौलिया भिगाकर इसे गिला कर सकती हैं। इससे इन्हें स्टीम मिलेगी और तेल अंदर तक जाएगा।
- आधे घंटे बाद बालों को किसी माइल्ड शैंपू से धो लें। ध्यान रहें कि एक घंटे से ज्यादा बालों को तेल में ना रखें।

महिलाओं का इम्यून सिस्टम पुरुषों के मुकाबले ज्यादा स्ट्रॉन्ग होता है

पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं को हमेशा से कमजोर माना जाता रहा है, लेकिन हाल ही में आई एक रिसर्च में बताया गया है कि महिलाओं का इम्यून सिस्टम पुरुषों के मुकाबले ज्यादा स्ट्रॉन्ग होता है।

महिलाओं को बेचारी का तमगा देने में कतई देर नहीं लगाई जाती। खासकर हेल्थ के मामले में तो उन्हें हमेशा ही पुरुषों से कमतर माना जाता है, लेकिन क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने अपनी रिसर्च में इस गलतफहमी को दूर कर दिया है। उन्होंने अपनी रिसर्च में पता लगाया है कि पुरुषों का जुकाम महिलाओं के मुकाबले ज्यादा खतरनाक होता है। क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर जॉन उपहम और उनकी पांच मेंबर्स की टीम ने अपनी रिसर्च में पता लगाया कि महिलाओं का इम्यून सिस्टम पुरुषों के मुकाबले ज्यादा स्ट्रॉन्ग होता है। और यही वजह है कि तमाम बीमारियां महिलाओं से दूर रहती हैं। प्रोफेसर जॉन और उनकी टीम ने रिसर्च में यह पता लगाने की कोशिश की कि कॉमन कोल्ड के लिए जिम्मेदार रायनोवायरस से मुकाबले के लिए अलग-अलग जेंडर का इम्यून सिस्टम कैसे रिएक्ट करता है? क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी और प्रिंसेस एलेक्जेंड्रा हॉस्पिटल के रिसर्चर्स ने अपनी स्टडी में पता लगाया कि रायनोवायरस का अटैक होते ही सबसे ज्यादा नुकसान अस्थमा के मरीज को होता है और वे हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। इस प्रोसेस में रिसर्चर्स ने 50 साल से कम उम्र के हेल्दी मेल और फीमेल पर अलग-अलग नजर रखी और उन पर कोल्ड वायरस का असर जांचा। प्रोफेसर जॉन ने बताया, इस रिसर्च से हमें पता लगा है कि फीमेल हॉर्मोन्स से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इसलिए हम कोशिश कर रहे हैं कि इसका फायदा उठाने के लिए कोई वैक्सीन डेवलप की जा सके।

आंखों व आई ब्रो पर नहीं लगाएं ब्लीच

चेहरे को साफ-सुथरा व कांतिमय बनाने के लिए ब्लीच एक बेहतर विकल्प है। इसे लगाते समय बस, इस बात का जरूर ध्यान रखें कि यदि यह आंखों के ऊपर लग गया तो बहुत अधिक नुकसानदेह हो सकता है। बेहतर होगा कि आप इसे आंखों व आई ब्रो पर नहीं लगाएं।

इन बातों का रखें ख्याल

- त्वचा में अधिक जलन होने पर मिश्रण में क्रीम की मात्रा बढ़ाएं।
- ब्लीच को कभी आंखों, आई ब्रो व सिर के बालों पर न लगने दें।
- हमेशा ब्रांडेड कंपनी का ही ब्लीच इस्तेमाल करें।
- ब्लीच का अधिक इस्तेमाल आपकी त्वचा के लिए नुकसानदेह हो सकता
- बॉक्स पर दिए गए निर्देशानुसार ही ब्लीच क्रीम में अमोनिया पावडर की मात्रा डालें।
- क्रीम और पावडर के इस मिश्रण को पहले कोहनी पर या अन्य जगह पर लगाकर देखें।

थ्री डी से धोइये कपड़े

अब कपड़ों की धुलाई भी थ्री डी तकनीक से होगी! जी हां, दुबई में प्रॉक्टर एंड गैंबल कंपनी ने कपड़ों की धुलाई की थ्री डी तकनीक लॉन्च की। कंपनी का दावा है कि एरियल ऑक्सी थ्रीडी ब्लू कपड़ों के भीतर छिपे मैल और गंदगी को अपनी थ्रीडी तकनीक से पलक झपकते निकाल देगा।

कंपनी के इस दावे का सच परखने के लिए पूरी दुनिया के 22 देश की मीडिया दुबई पहुंचीं। एरियल के नए डिटर्जेंट पाउडर की मेगा लॉन्चिंग दुबई के पांच सितारा होटल में की गई। इस डिटर्जेंट पाउडर में पहली बार थ्रीडी माइक्रो बूस्टर्स का इस्तेमाल हुआ है, जो कपड़ों के भीतर का मैल भी धो डालता है। थ्रीडी फैशन शो और थ्रीडी लाइव डेमो के जरिए कंपनी प्रॉक्टर एंड गैम्बल ने अपने डिटर्जेंट पाउडर एरियल ऑक्सी थ्रीडी ब्ल्यू को लॉन्च किया। अभी बड़े महानगरों में यह सुविधा उपलब्ध है।

मेकअप करना एक कला है, जिससे आप अपने चेहरे की खामियां छिपाकर उसे और अधिक आकर्षक बना सकती हैं। वे दिन गए जब मेकअप का अर्थ सिर्फ चेहरे पर ड्रेस से मेल खाते ब्लशर, आई शैडो और लिप कलर लगाना ही होता था। अब इसमें भी आपकी रचनात्मकता और कल्पनाशीलता का विशेष महत्व है।

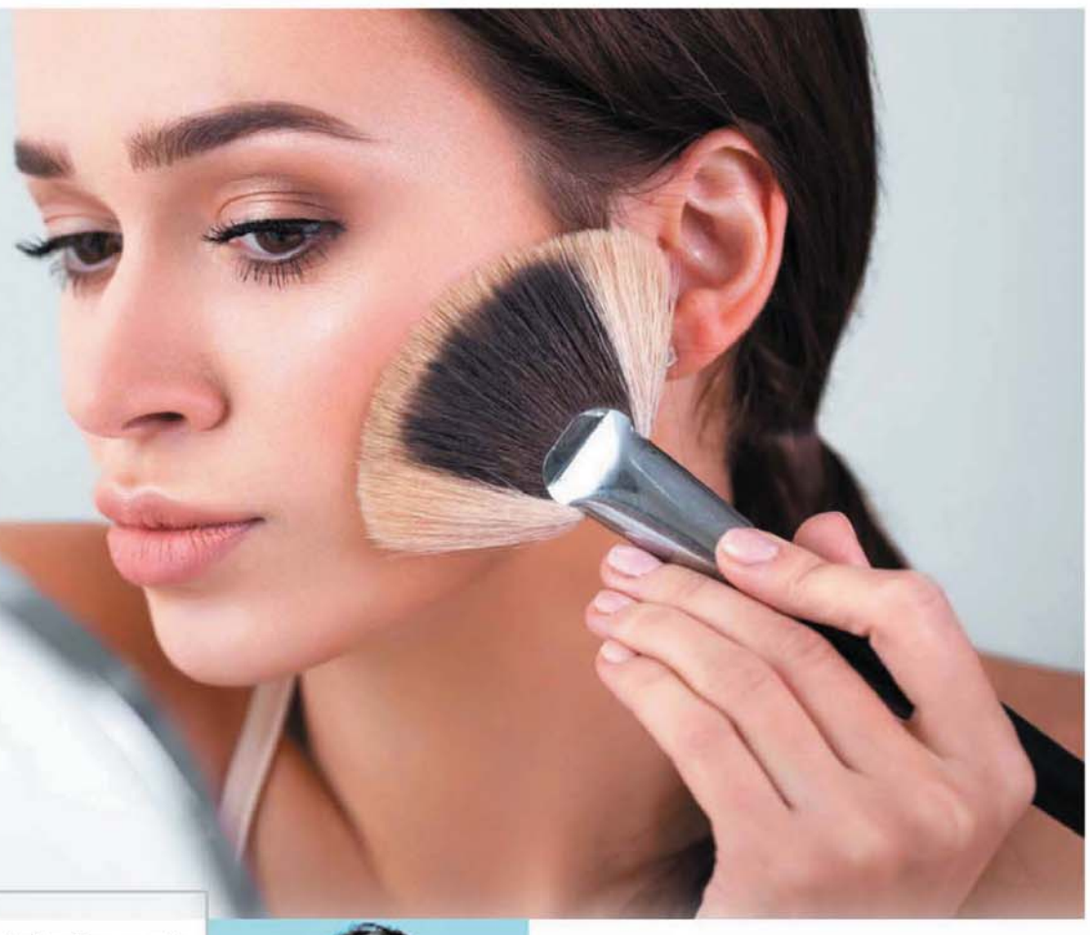

ऐसे दिखें सुंदर

मेकअप यदि आकर्षक हो तो साधारण सा चेहरा भी दिल चुरा सकता है, इसलिए जानिए मेकअप के लेटेस्ट ट्रेंड ताकि आप लगें सब से जुदा।

- मिनरल मेकअप आजकल का नवीनतम ट्रेंड है। इस मेकअप में ज्यादातर पाउडर फार्म में कॉस्मेटिक्स का प्रयोग किया जाता है। बेहद ही कम नजर आने वाला यह मेकअप मैट फिनिश वाला होता है। इस में इस्तेमाल होने वाले कॉस्मेटिक्स स्किन को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते और ये स्किन में आसानी से मिल जाते हैं।
- यह मेकअप खासतौर से 30 वर्ष से ऊपर की महिलाओं पर खूब फबता है। किसी भी ग्लौसी या क्रीमी फाउंडेशन के प्रयोग से चेहरे की झुर्रियां साफ नजर आती हैं। जबकि सॉफ्ट मैट फिनिश से नजर चेहरे की झुर्रियों के बजाय हाइलाइट हुए नैननक्श पर टिक जाती है।
- नैचुरल व न्यूनतम मेकअप इस सीजन का एक अन्य ट्रेंड है। मेकअप आप की प्राकृतिक सुंदरता को उभारने के लिए किया जाता है, इसलिए इस सीजन में कम से कम कॉस्मेटिक्स के प्रयोग से सिर्फ चेहरे के फीचर्स को हाइलाइट किया जाएगा। ब्लशर और लिप कलर्स बेहद सॉफ्ट एवं हलके रहेंगे और आई शैडो भी न बराबर यानी न्यूट्रल रहेगा। ब्राउन, ब्लू या ग्रीन जैसे कलर ड्रामेटिक इफेक्ट के लिए प्रयोग किए जाएंगे। आइलाइनर और मस्कारा भी बेहद कम मात्रा में लगाया जाएगा, सिर्फ उतना कि आंखों का आकार सुंदर लगे, फिर भी मेकअप इफेक्ट में आंखों का मेकअप आकर्षण का मुख्य केन्द्र होगा।
- आई शैडो लगाते समय ऊपरी आई लिड पर व बाहर की ओर किनारे पर बोल्ड कलर लगाएं और फिर उसे ब्रश की सहायता से ऊपर की ओर फैला कर स्किन के साथ मिला लें। इस से न सिर्फ आप का मेकअप सॉफ्ट होगा, बल्कि ड्रामेटिक फिनिश भी मिलेगी।
- नकली आईलैशेज लगाने का फैशन भी अब खत्म हो गया है। इस की जगह आई लाइन के बाहरी किनारे पर डार्क शेड की पेंसिल लगा कर इन की कमी पूरी करें। कुछ मेकअप आर्टिस्ट कलरलैस व स्किन कलर्स वाली आइब्रो भी काफी पसंद कर रहे हैं।
- आंखों के अलावा गालों को भी इस सीजन में हलके गुलाबी, पिंक ब्लू, नैचुरल टैन व पैल कलर्स जैसे हलके बेज से सजाया जाएगा। इस साल मेकअप करते समय ध्यान रखें कि आप के ब्लशर का कलर आई मेकअप से मैच करे।
- लिप कलर्स में इस बार हलके पिंक, वायलेट, फुशिया जैसे लाइट कलर्स से लेकर बिलकुल हलके त्वचा से मेल खाते रंग फैशन में रहेंगे। लिप ग्लौस से इस सीजन में दूर रहें, मैट लिपस्टिक का चलन फिर से आएगा। इस से आंखों का मेकअप हाइलाइट करने का मौका ज्यादा मिलेगा।
- यदि आंखों का मेकअप ब्राइट है तो लिप कलर हलका रखें और यदि लिप कलर ब्राइट लगाया है तो आंखों का मेकअप कम से कम रखें।

सिर चढ़कर बोल रहा है

जींस का जादू

आपको पता है कि जींस का सफर शुरू हुआ था अमेरिका से। वहां पर रेल कर्मचारी और किसान रोजमर्रा के जीवन में इसे इस्तेमाल करते थे। भारत में जींस का दखल तो वर्षों से रहा है, मगर बीते कुछ सालों से भारतीय महिलाओं की यह मनपसंद पोशाक बन चुका है। आज महानगरों और अन्य उपनगरों को छोड़ दिया जाए, तो छोटे शहरों की महिलाएं भी इसे आरामदायक पहनावे के रूप में स्वीकार कर चुकी हैं। अगर इसे सिर्फ पहनावे के रूप में देखा जाए तो यह भारतीय महिलाओं के लिए खासी सुविधा जनक साबित हुई है। अब छोटे शहर की महिलाओं में भी पॉपुलर एक दशक पहले तक छोटे शहरों में शादी के बाद किसी भारतीय महिला को जींस में देखने की कल्पना करना भी मुश्किल था। बहुत ही कम ऐसे सास-ससुर थे, जिन्हें अपनी बहू को जींस में देखना पसंद था, मगर शायद आर्थिक स्वावलंबन ने उनकी इस छवि को तोड़ा है और मध्यम वर्ग की शादीशुदा महिलाएं भी जींस को तरजीह दे रही हैं। आज स्कूल, कॉलेज में छात्राएं जींस, शर्ट पहनकर ही जाती हैं। मार्केट में जींस की हजारों वैरायटी उपलब्ध हैं जो 300 रुपए से लेकर 5 हजार रुपए तक में उपलब्ध हैं। बड़े शहरों में शोरूम पर नामी कंपनियों के जींस उपलब्ध हैं। इसमें भी कई रंगों की वैरायटी देखकर अपना मनपसंद जींस खरीद सकते हैं।

ग्लोबलाइजेशन के दौर में ऐसी कौन सी ड्रेस है, जो पूरी दुनिया में छा गई है, तो बिना देर किए आप नाम लेंगे जींस का। भारत में तो जींस का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है।

कई कलर्स और डिजाइंस

इंडिगो ब्रदर्स ने इस मौसम के लिए बेहतरीन कलेक्शन लांच किया है। इसमें महिला व पुरुष दोनों के लिए कई तरह की ड्रेसेज लाई गई हैं। ये लाइटवेट हैं और इसमें खासतौर से शर्ट्स व टी- शर्ट में आपको कई कलर्स व डिजाइन मिल जाएंगे। ये डिजाइंस ग्राफिक्स, पैटर्न, स्ट्रिप्स, चेक्स वगैरह में हैं। इंटरनेशनल स्टाइल्स के साथ ही इसमें हाई फैशन, फेमनिन और वोगिस डिजाइंस मिलेंगे।

लाख की ज्वेलरी

कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो फैशन की दौड़ में हरदम बनी रहती है। उनमें से लाख की ज्वेलरी और चूड़िया एक हैं। लाख की ज्वेलरी त्यौहार हो या पार्टी हर जगह इसका आकर्षण बना रहता है। ज्वेलर्स की माने तो ट्रेडिशनल मौके पर महिलाएं लाख की ज्वेलरी पहनना अधिक पसंद करती हैं। यही वजह है कि इन दिनों मार्केट में 24 शेड्स में लाख की चूड़ियां उपलब्ध हैं। सिर्फ चूड़ियां ही नहीं इसके अलावा जड़ाऊ सेट, अंगूठी, टो रिंग, ब्रेसलेट, बिछिया करधनी जैसे कई एसेसीरीज युवतियों और महिलाओं को लुभाते हैं। ये 50 रुपए से लेकर 500 रुपए में आसानी से मिल जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

एनएमडीसी किरंदुल की सीएसआर पहल: ग्रामीण उत्थान के लिए फलदार वृक्ष वितरण

किरंदुल (समय दर्शन)। एनएमडीसी लिमिटेड की बीआईओएम कॉम्प्लेक्स, किरंदुल परियोजना, अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण और उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के.एल. नागवेणी के मार्गदर्शन में, कर्मचारियों के जीवन स्तर को उन्नत करने और परियोजना के आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। परियोजना प्रबंधन ने स्थानीय ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं, आश्रम भवन निर्माण, स्वच्छ पेयजल, सड़कें, और पुल-पुलिया जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। इसी कड़ी में, 14 जुलाई 2025 को सीएसआर पहल के तहत आसपास के ग्रामीणों के विकास और जनसुविधा के लिए फलदार वृक्षों का वितरण किया गया। इस अवसर पर सीएसआर विभाग के प्रबंधक विवेक कुमार रक्षा, सिविल विभाग के प्रबंधक एस.आर. गावड़े और ग्रामवासी उपस्थित रहे। यह पहल पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण समुदाय की आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एनएमडीसी डीएवी पॉलिटेक्निक कॉलेज जावंगा में भावी मतदाताओं को मतदान के महत्व पर किया गया जागरूक

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। एनएमडीसी डीएवी पॉलिटेक्निक कॉलेज जावंगा में 14 जुलाई 2025 को स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य भावी मतदाताओं, विशेषकर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को मतदान के अधिकार और उसकी अहमियत के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया, वोटर आईडी कार्ड बनवाने की जानकारी, और मतदान प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि लोकतंत्र की मजबूती में प्रत्येक वोट की अहम भूमिका होती है और जागरूक मतदाता ही अच्छे शासन की नींव रखता है। इस अवसर पर युवाओं को यह प्रेरणा दी गई कि वे समय पर अपना वोटर आईडी बनवाएं और आगामी चुनावों में जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाते हुए मतदान अवश्य करें। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि उनमें मतदान के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना भी विकसित करना था। यह पहल युवा पीढ़ी को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी के लिए प्रेरित करेगी और दंतेवाड़ा जिले में समावेशी एवं सशक्त लोकतंत्र की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगी।

बंधन एएमसी निवेशकों की सेवा के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा

रायपुर । बंधन एएमसी लिमिटेड, देश की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रही है। बंधन एएमसी का इतना लंबा सफ़र विश्वास, इनोवेशन और बचतकर्ताओं को निवेशक बनने में मदद करने की अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक विरासत का प्रतीक है। अपने निवेशकों और साझेदारों के साथ इस उपलब्धि को सांझा करने के लिए, बंधन एएमसी ने 'राजू भैया की कहानी', को पेश किया है। राजू भैया की कहानी, एक पुरानी यादों से भरी, संगीतमय फिल्म जो कई लोगों के लिए एक-जाने पहचाने सफ़र को दर्शाती है: बचत से लेकर आत्मविश्वास के साथ निवेश करने तक। एक भावपूर्ण जिंगल और प्रेरक एनीमेशन के माध्यम से, यह फिल्म वर्षों से आम निवेशकों की प्रगति का जश्न मनाती है। फिल्म देखने के लिए तस्वीर में दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें। इस उत्सव पर बोलते हुए, श्री विशाल कपूर, सीईओ, बंधन एएमसी, ने कहा कि अपने इस सफ़र के 25 वर्ष पूरे होने पर, हमें लाखों बचतकर्ताओं को निवेशक बनने में मदद करने में निभाई गई भूमिका पर गर्व है। एएनजेडग्रिंडलेज़ म्यूचुअल फंड से लेकर स्टैंडर्ड चार्टर्ड म्यूचुअल फंड, आईडीएफसी म्यूचुअल फंड और अब बंधन एएमसी बनने तक, हर उपलब्धि फाइनेंशियल इनक्लूजन, इनोवेशन और निवेशक पर ध्यान केंद्रित करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण रही है।

जनदर्शन में दयाराम प्रधान और सुश्री मधु को मिली राहत, कलेक्टर ने त्वरित कार्रवाई कर दिलाई ट्राइसाइकिल

कलेक्टर ने संवेदनशीलता से सुनी आमजनो की समस्याएं, जनदर्शन में 65 आवेदन हुए प्राप्त

जांजगीर-चांपा/ समय दर्शन। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त आवेदन का संवेदनशीलता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 65 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में आज तहसील चांपा के ग्राम कोसमंदा निवासी श्री दयाराम प्रधान ने ट्राईसाइकिल प्रदान करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वे दिव्यांगता के कारण चलने फिरने में असमर्थ है तथा उनका अर्थिक स्थिति कमजोर है जिसके कारण उन्हें बहुत परेशानी होती है। इसी प्रकार तहसील पामगढ़ के ग्राम खरौद निवासी सुश्री मधु ने ट्राईसाइकिल प्रदान करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वे 80 प्रतिशत दिव्यांग है जिससे उन्हे समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कलेक्टर श्री महोबे ने दोनो आवेदन पर संवेदनशीलता से त्वरित कार्यवाही करते हुए समाज कल्याण विभाग को निराकरण करने के निर्देश दिए। जिसे त्वरित निराकरण कर श्री दयाराम प्रधान को ट्राईसाइकिल एवं सुश्री मधु को बैटरी चलित ट्राईसाइकिल तत्काल प्रदान किया गया। ट्राईसाइकिल पाकर उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें एक नया सहारा मिल गया है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार आज जनदर्शन में अविवादित, विवादित नामांतरण, त्रुटि सुधार, राशन कार्ड, आवास सहित अन्य विषयों से संबंधित 65 आवेदन प्राप्त हुए।

डाक कांवड़ यात्रा पहुंची बागेश्वर धाम, पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

राजनांदगांव (समय दर्शन)। सावन पर्व के प्रथम सोमवार डाक कांवड यात्रा मोहरा शिवनाथ नदी से जल लेकर बागेश्वर धाम मंदिर रायपुर नाका पहुंची, जहां हिंदू जागरण मंच के द्वारा डाक कावड़िया का पुष्प से स्वागत कर फलाहारी की व्यवस्था की गई। जीवनदान सेवा संस्था ने बताया यह लगातार डाक कांवड यात्रा का तीसरा वर्ष है। आयोजनकर्ता शिवगण जहां से संस्था को प्रेरणा मिली, श्री बागेश्वर धाम मंदिर, मां पाताल भैरवी बर्फानी धाम से राजेश मारू, श्री महाकाल मंदिर सिंघोला से पवन डागा, हिंदू जागरण मंच से सुशील लड्डा। आज पहले सोमवार को विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, राज बहादुर सिंह, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के जिला अध्यक्ष विजय साहू, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के जिला अध्यक्ष मनीष देवांगन ने सिटी बजाकर इस यात्रा को प्रारंभ किया। 21 जुलाई को मोहारा शिवनाथ नदी से जल लेकर मां शीतला मंदिर बूढ़ा सागर जाएगी।

इस यात्रा में जीवनदान सेवा संस्था के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र लाल जंघेल, प्रदेश महासचिव हरीश भानुशाली, प्रदेश उपाध्यक्ष अभय जंघेल, भारतभूषण वैष्णव, कोषाध्यक्ष अमर सिंह राजपूत, आनंद मुंदड़ा, राजनांदगांव जिलाध्यक्ष अविनाश जैन, जिला उपाध्यक्ष अमित चौहान, शहर अध्यक्ष रिषभ मल्ल, महेश्वर जंघेल, यस साहू, रितेश साहू, चंदन साहू, राहुल साहू, सत्यम ओझा, शिवम ओझा, बेटी चेष्ठा जंघेल, मिताली वर्मा, पूर्व जंघेल, अनुज, नितिन, दुर्गेश, दिव्यांश, कमलेश डड़सेना आदि उपस्थित थे।

बालोद पुलिस द्वारा शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले शराबी वाहन चालकों पर अभियान चलाकर लगातार कार्यवाही

शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले चालकों की लायसेंस निलंबन की कार्यवाही

बालोद (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश कुमार पटेल के निर्देशन पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर के मार्गदर्शन में, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बालोद देवांश सिंह राठौर एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक राकेश ठाकुर के नेतृत्व में यातायात बालोद एवं सभी थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं आम जनों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर अभियान चलाकर लगातार कार्यवाही की जा रही है।

इस वर्ष 2025 में जनवरी से जून तक 120 शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले शराबी वाहन चालकों पर कार्यवाही कर प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, माननीय न्यायालय द्वारा 120 प्रकरणों में 12,18,700रु. के जुर्माना राशि से दण्डित कर प्रकरण का निराकरण किया गया है। वर्ष 2024 की तुलना में इस वर्ष 06 महीने में ही दोगुने से अधिक शराबी वाहन चालकों पर कार्यवाही की जा चुकी है। शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों का लायसेंस निलंबन की कार्यवाही भी की जा रही है।

यातायात पुलिस बालोद के द्वारा लगातार वाहन चालको से अपील किया जा रहा है की शराब सेवन कर खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुए अपने तथा अन्य व्यक्तियों की जान जोखिम में न डाले हमेशा यातायात नियमों का पालन करे आम जनो एवं वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए बालोद पुलिस सदैव तत्पर है। यातायात पुलिस बालोद आम नागरिकों से अपील करता है कि मालवाहक वाहन में सवारी भरकर परिवहन न करे, यातायात नियमों का पालन करे, रात्रि में वाहन चलाते समय अपर डिपर का प्रयोग करे, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग न करे, नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे, संयमित गति से वाहन चलाएं एवं वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगायें व वाहन चलाते समय वाहन के दस्तावेज हमेशा अपने साथ रखे।

बदहाल सड़कों पर जोगी कांग्रेस के कार्यकारी युवा प्रदेश अध्यक्ष शमसूल ने खोला मोर्चा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पहली ही बारिश में सड़कों की हालत जर्जर होने पर अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम ने नगर निगम अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने जिले और निगम क्षेत्र की टूटी सड़कों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए संबंधित एसडीओ गरिमा वर्मा और सब इंजीनियर आयुषी सिंह को निलंबित करने की मांग की है। साथ ही रायपुर नाका स्थित राजदूत बार को नगर निगम की जमीन पर अवैध रूप से संचालित करने का आरोप लगाते हुए तत्काल लाइसेंस रद्द करने की मांग की है।

शमसूल आलम ने सोमवार को कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि शहर में ठेकेदारों की मनमानी और अधिकारियों की मिलीभगत से करोड़ों की सड़कों की हालत बदतर हो चुकी है। आरके नगर स्थित ऑफिसर्स मर्टर, जहां खुद कलेक्टर निवास करते हैं, वहां की सड़क भी गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। उन्होंने बताया कि जिन सड़कों की रिपोर्ट एसडीओ गरिमा वर्मा और सब इंजीनियर आयुषी सिंह द्वारा तैयार की गई थी, उनमें से अधिकांश पहली ही बारिश में उखड़ चुकी हैं। इससे स्पष्ट है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ भारी समझौता किया गया है।

राजदूत बार के संचालन को लेकर भी उन्होंने सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि बार का कुछ हिस्सा निगम की भूमि पर अवैध रूप से बना है, और इसके संचालन में आबकारी विभाग के पूर्व अधिकारी व एरिया इंस्पेक्टर की भूमिका संदिग्ध है। जब तक इस मामले की निष्पक्ष जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक बार को लाइसेंस रद्द किया जाए।

जोगी कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो पार्टी उग्र आंदोलन करेगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष नमन पटेल, मजदूर संघ जिलाध्यक्ष संदीप सूर्यवंशी, जिला महासचिव ऋषभ रामटेके, शुभम भालाधारे, चैन सिंह, आदि निषाद, राकेश नायक, मनोज पटेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ज्ञापन के बाद डिप्टी कलेक्टर ने मामले में जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। शमसूल आलम ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

ड्रिबलिंग बॉल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कमला कॉलेज की छात्राएं शामिल

राजनांदगांव। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव की दो छात्राओं ने राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। बी. कॉम द्वितीय सेमेस्टर की छात्राएं कु. कंचन वर्मा एवं कु. तारिणी साहू ने 13 से 15 जून 2025 तक नासिक (महाराष्ट्र) में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय ड्रिबलिंग बॉल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

दोनों छात्राओं के शानदार प्रदर्शन की बदौलत छत्तीसगढ़ की टीम इस प्रतियोगिता की विजेता बनी। टीम की मुख्य प्रशिक्षक हिना खान (भिलाई) रही एवं छात्राओं ने महाविद्यालय की खेल शिक्षिका श्रीमती सीरिन खान के मार्गदर्शन में इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

खेल के साथ-साथ दोनों छात्राएं एनसीसी ए सर्टिफिकेट धारक भी हैं, जो उनकी बहुआयामी प्रतिभा को दर्शाता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक मिश्रा, प्राध्यापक डॉ. एचके गरचा, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नीता एस. नायर, एनसीसी अधिकारी श्रीमती तारा ठाकुर एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. युगेश्वरी साहू ने छात्राओं को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

छात्राओं की इस सफलता ने जिले और महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है।

पंजीकृत(प्राइवेट) विद्यालय बंद होने से आरटीई के तहत् प्रवेश अध्ययनरत छात्र का भविष्य अधर में

पिता ने प्रशासन से लगाई गुहार, शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग प्रशासनिक उदासीनता पर उठे सवाल

मुंगेली(समय दर्शन) भारत सरकार द्वारा पारित मौलिक अधिकारों के अंतर्गत लागू बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (Right to Education Act, 2009) के तहत 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का संवैधानिक अधिकार दिया गया है। उक्त अधिनियम के तहत निजी शिक्षण संस्थानों में 25% सीटें सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए आरक्षित की गई हैं।

इसी अधिनियम के तहत मुंगेली के दीनदयाल वार्ड निवासी भोजपाल बंजारे के पुत्री रियु बंजारे का प्रवेश मुंगेली जिला के अल्पा पब्लिक स्कूल लोरमी में आरटीई योजना के अंतर्गत प्रवेश कराया गया था, जहां वह विगत दो वर्षों से अध्ययनरत था। लेकिन दुर्भाग्यवश अब उक्त विद्यालय ने अचानक संचालन बंद कर दिया है, जिससे न सिर्फ छात्र का शिक्षा अधिकार प्रभावित हुआ है, बल्कि उसके भविष्य पर भी गंभीर संकट खड़ा हो गया है इस गंभीर स्थिति से चिंतित पिता भोजपाल ने 01 जुलाई 2025 को कलेक्टर जनदर्शन, जिला मुंगेली में प्रस्तुत आवेदन क्रमांक 11744 के माध्यम से अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन से मांग की है कि उनके पुत्री को या तो उसी संस्था की मुंगेली शाखा में स्थानांतरित किया जाए अथवा किसी अन्य आरटीई मान्यता प्राप्त विद्यालय में तात्कालिक प्रवेश दिलाया जाए।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम और प्रशासन की जिम्मेदारी

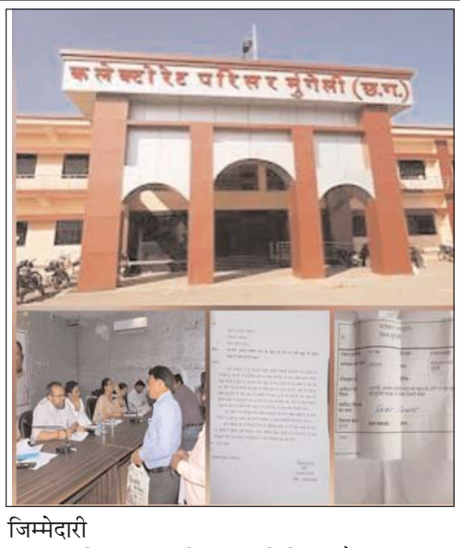

बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के धारा 8(ч) एवं धारा 12(1)(ч) के तहत यह दायित्व राज्य सरकार एवं स्थानीय प्राधिकरण का है कि वह पात्र छात्रों को सुगम, नि:शुल्क एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध कराए।यदि आरटीई के तहत नामांकित छात्र का विद्यालय बंद हो जाए, तो ऐसी स्थिति में जिला शिक्षा अधिकारी तथा ब्लॉक शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी बनती है कि वे तत्परता से संबंधित छात्र को अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालय में स्थानांतरित कराएं और उसकी शिक्षा सतत रूप से जारी रहे।आवेदक भोजपाल ने पूर्व में भी जिला स्तर पर आवेदन प्रस्तुत किया था, किंतु अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई, जिससे स्पष्ट होता है कि आरटीई जैसे संवेदनशील कानून की न सिर्फ अनदेखी हो रही है बल्कि प्रशासनिक स्तर पर गंभीर उदासीनता भी सामने आ रही है।

प्रशासन से अपेक्षित संवेदनशीलता और तत्परता जरूरी- शिक्षा के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21( ) के तहत मौलिक अधिकार का दर्जा प्राप्त है। ऐसे में विद्यालय संचालन बंद होने जैसी परिस्थितियों में बच्चे की शिक्षा रुकना, न केवल संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है, बल्कि शासन की सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है इस पूरे प्रकरण से एक ओर जहां शिक्षा प्रणाली की असंवेदनशीलता उजागर होती है, वहीं यह भी स्पष्ट होता है कि गरीब व वंचित वर्ग के बच्चे आज भी व्यवस्था की जटिलताओं और उदासीनता का शिकार हो रहे हैं।

संवेदनशील हस्तक्षेप की आवश्यकता- भोजपाल बंजारे द्वारा की गई मांग केवल उनके पुत्री तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक प्रतीकात्मक याचना है उन सैकड़ों आरटीई विद्यार्थियों की, जो किसी न किसी कारणवश शिक्षा से वंचित किए जा रहे हैं। आवश्यकता है कि जिला प्रशासन तत्काल प्रभाव से इस प्रकरण में हस्तक्षेप करे और न केवल रियु बंजारे को वैकल्पिक विद्यालय में प्रवेश दिलाए, बल्कि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति न उत्पन्न हो, इसके लिए दृढ़ और प्रभावशाली नीति-निर्माण भी सुनिश्चित करे।

आरटीई के तहत प्रवेशित छात्र के स्कूल बंद होने पर दूसरे स्कूल में होगा प्रवेश: जिला शिक्षा अधिकारी का निर्देश- शिक्षा का अधिकार अधिनियम (ऋश्चश्च) के अंतर्गत प्रवेशित विद्यार्थियों को स्कूल बंद होने की स्थिति में दूसरे निजी विद्यालय में प्रवेश दिलाने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी मुंगेली द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोजपाल बंजारे निवासी मुंगेली द्वारा जनदर्शन के माध्यम से यह शिकायत की गई कि आरटीई के तहत उनके बच्चे को जिस निजी विद्यालय में प्रवेश मिला था, वह विद्यालय अब बंद हो चुका है। ऐसे में छात्र के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त की गई।

इस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी निजी विद्यालय में प्रवेश के बाद वह विद्यालय बंद हो जाता है, तो ऐसी स्थिति में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्रवेशित बच्चों को अन्य किसी निजी विद्यालय में प्रवेश दिलाना विभाग के कार्यक्षेत्र में नहीं आता है।हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि यदि कोई पालक अपने बच्चे का प्रवेश किसी अन्य विद्यालय में कराना चाहता है, तो वह ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत दोबारा नवीन पंजीयन कर सकता है। इस प्रक्रिया की अंतिम तिथि 12 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है।

खबर-खास

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

गरियाबंद (समय दर्शन)। शासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत् खरीफफसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है।जिले के खरीफ वर्ष 2025 के लिए बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड को बीमा कम्पनी के रूप में अधिकृत किया गया है।कलेक्टर बी.एस.उईके द्वारा जिला के कृषकों से निर्धारित तिथि तक अपने फसलों का बीमा कराने की अपील की गई है।प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के फसल के बाधित रोपाई,रोपण जोखिम, स्थानीय आपदाओं -(ओलावृष्टि, बादल का फटना,प्राकृतिक आकाशीय बिजली) फसल कटाई के उपरांत होने वाले नुकसान से फसल को होने वाली क्षति के विरूद्ध आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। खरीफ वर्ष 2025 मे जिले के लिए अधिसूचित फसले धान, उडद, मूंग, मूंगफली कोदो, कुटकी रागी, मक्का एवं अरहर शामिल है। मुख्य फसल धान सिंचित के लिए प्रति हेक्टेयर 60 हजार रूपयें और धान असिंचित फसल के लिए 45 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर बीमित राशि निर्धारित की गई है।किसानों को कुल बीमित राशि का 2 प्रतिशत प्रीमियम देना होगा।धान सिंचित के लिए 1200 रूपये, धान असिंचित के लिए 900 रूपये,मक्का 920 रूपये,कुटकी 190 रूपये,कोदो 180 रूपये,मूंगफली 940 रूपये,मूंग 500 रूपये,उड़द 500 रूपये,अरहर 840 रूपये एवं रागी के लिए 1 प्रतिशत दर से 170 रूपये प्रति हेक्टेयर प्रीमियम राशि तय किया गया है। ऋणी और अऋणी दोनो प्रकार के किसान बीमा में शामिल हो सकते हैं।भू-धारक और बटाईदार किसान भी पात्र होंगे।अधिसूचित ग्राम में अधिसूचित फसल के लिए जिन किसानों को वित्तीय संस्थानों से मौसमी कृषि ऋण स्वीकृत या नवीनीकृत हुआ है, उन्हें योजना में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। गैर ऋणी किसानों को बीमा आवरण में शामिल होने हेतु आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड की कॉपी,भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2),बैंक पासबुक,कृषक का वैद्य मोबाईल नम्बर,फसल बुवाई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का घोषण पत्र के साथ किसान अपने नजदीकी बैंक,वित्तीय संस्थान,ग्राहक सेवा केन्द्र (सीएससी) सेंटर के माध्यम से बीमा करा सकते है।

फायरिंग रेंज निर्माण के लिए ग्राम भाटीगढ़ में जगह का चयन: दावा-आपत्ति 23 जुलाई तक आमंत्रित

गरियाबंद (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक गरियाबंद द्वारा तहसील मैनपुर अंतर्गत ग्राम भाटीगढ़ में पटवारी हल्का नम्बर 03 अंतर्गत स्थित शासकीय भूमि खसरा नं0 1, 3, 4/1 रकबा कमश: 0.53 हेक्टेयर, 0.41 हेक्टेयर, 0.30 हेक्टेयर कुल खसरा नंबर 03 कुल रकबा 1.24 हेक्टेयर भूमि को फायरिंग रेंज के निर्माण के लिए आबंटित किये जाने हेतु जिला प्रशासन के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है।जिसके संबंध में न्यायालय कलेक्टर द्वारा जगह चिन्हांकन एवं उपलब्धता की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश न्यायालय तहसीलदार मैनपुर को दिया गया है। इसी तारतम्य में तहसीलदार मैनपुर ने बताया कि फायरिंग रेंज निर्माण के लिए भाटीगढ़ के उक्त जगह के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति करना हो तो वह 23 जुलाई 2025 तक न्यायालय तहसीलदार मैनपुर में स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि उपरांत प्रस्तुत किये जाने वाली आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने ग्लैंजा में मानक और नए एक्सेसरी पैकेज के रूप में छह एयरबैग वाले प्रेस्टीज एडिशन की घोषणा की

बैंगलोर (एजेंसी)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी हैचबैक, टोयोटा ग्लैंजा में दो महत्वपूर्ण अपडेट की घोषणा की। इसका उद्देश्य सुरक्षा को और मजबूत करना तथा समग्र ग्राहक मूल्य को बढ़ाना है।

सुरक्षा सबसे पहले: सभी वेरिएंट में छह एयरबैग मानक- सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मज़बूत करते हुए, टोयोटा ग्लैंज़ा के सभी वेरिएंट अब मानक तौर पर छह एयरबैग से युक्त होंगे, जो चालक और यात्रियों, दोनों के लिए व्यापक सुरक्षा प्रदान करेंगे। अपनी प्रीमियम स्टाइलिंग और पूरी तरह से तकनीकी विशेषताओं से भरपूर, टोयोटा ग्लैंज़ा पहली बार कार खरीदने वालों, युवा पेशेवरों और शहरी यात्रियों के बीच एक पसंदीदा विकल्प बनी हुई है। अपने स्टाइलिश डिज़ाइन, ईंधन दक्षता और परेशानी मुक्त स्वामित्व के लिए दिल जीतने वाली, ग्लैंजा में छह एयरबैग मानक तौर पर होने से इसकी अपील और मज़बूत होने की उम्मीद है, साथ ही हर ग्राहक के लिए मानसिक शांति सुनिश्चित होगी।

नए 'प्रेस्टीज पैकेज' के साथ बढ़ा हुआ मूल्य- स्वामित्व के अनुभव को और समृद्ध बनाने के लिए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने सीमित अवधि के लिए एक 'प्रेस्टीज पैकेज' भी पेश किया है, जो सोच-समझकर तैयार किया गया एक्सेसरी बंडल है।

प्राइवेट स्कूल संघ ने भोरमदेव पदयात्रियों का स्वागत कर प्रसादी वितरण किया

कवर्धा (समय दर्शन)। कबीर नगरी की पावन धरा पर प्रतिवर्ष बाबा बुढ़ामहादेव से भोरमदेव मंदिर के लिए पदयात्रा निकाली जा रही है। इस यात्रा को भव्य रूप बनाने की दृष्टि से जिला प्राइवेट स्कूल संघ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नगरीय व ग्रामीण स्कूलों से लगभग 1500 बच्चों ने ग्रुप बनाकर निकाली गई संगीतमय झांकी आकर्षण का केंद्र बना रहा। संघ द्वारा विभिन्न स्थलों में अपनी सेवा व स्वागत का आयोजन किया गया ग्राम बरपेलाटोला में स्टाल लगाकर पदयात्रियों के लिए विश्राम के साथ साथ अल्पाहार, चाय, पानी की व्यवस्था की गई।

प्रत्येक पदयात्रियों का स्वागत स्कूल संचालकों द्वारा पुष्प वर्षा के बीच तिलक और भगवा गमछा भेंट के साथ किया गया। कबीरधाम प्राइव्हेट स्कूल संघ के बैनर तले व पंडाल स्तर में विभिन्न अधिकारी कलेक्टर, डीएफओ, डीईओ, सीएमओ, सीएचएमओ व अन्य अधिकारी के साथ साथ जन प्रतिनिधि उपमुख्यमंत्री, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षदों और पंचायत

प्रतिनिधि, का स्वागत के साथ प्रसाद वितरण किया गया। साथ साथ जिले के पत्रकारों बंधु, खास और आम जनता का स्वागत स्कूल संचालकों द्वारा किया गया। पंडाल में संचालकों द्वारा पदयात्रियों में सम्मिलित प्रत्येक स्कूल बच्चों का स्वागत तिलक लगाकर, गमछा भेट करने के बाद अल्पाहार दी गई।

जिला शिक्षा अधिकारी ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन और प्राइवेट स्कूल संघ के सेवा कार्य विभाग की छवि को आम जनता के साथ साथ शासन और प्रशासन को अपनी छवि छोड़ के जाता है इस आयोजन के तारीफ करते हुए उन्होंने सभी स्कूल संचालकों को सफल आयोजन की बधाई दी जिलाध्यक्ष अश्वनी श्रीवास ने बताया कबीरधाम प्राइवेट स्कूल संघ प्रारंभ से विभिन्न सेवा कार्य को ग्राम स्तर से लेकर जिले में करते आए हैं। आज का आयोजन प्रतिवर्ष की तरह वर्तमान वर्ष में नई सोच के साथ किया गया, जिसमें हजारों स्कूली बच्चे, माता पिता, शिक्षक व कर्मचारी व पूरे जिले के संचालक बंधु इस आयोजन को सफल बनाए है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का संयोजक के रूप ने शहर अध्यक्ष आशीष अग्रवाल के साथ संघ के पूरे सदस्यों महत्वपूर्ण सहयोग दिया। श्री अग्रवाल ने सभी जनता जनार्दन को सफल आयोजन के सहयोग हेतु धन्यवाद अर्पित किया।

विधायक भावना बोहरा ने विधानसभा में शराब दुकान संचालन, बिजली आपूर्ति बाधित होने का प्रश्न पूछा

पंडरिया विधानसभा में नवीन विद्यालयों की स्थापना, उन्नयन का मुद्दा उठाया।

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 14 जुलाई से 18 जुलाई तक चलेगा। सत्र के पहले ही दिन अपनी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने प्रदेश में संचालित शराब दुकानों एवं पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं होने तथा पंडरिया विधानसभा अंतर्गत नवीन विद्यालयों की स्थापना व उनके उन्नयन के संबंध में प्रश्न किया।

श्रीमती बोहरा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से प्रश्न किया कि वर्तमान में राज्य शासन द्वारा आबकारी विभाग के माध्यम से कुल कितनी देशी एवं विदेशी मदिरा की दुकानों का संचालन किया जा रहा है तथा मदिरा दुकानों में से कितनी शराब दुकानें शैक्षणिक संस्थानों (जैसे स्कूल/कॉलेज), चिकित्सालयों तथा धार्मिक स्थलों के समीप स्थित हैं? इसके साथ ही कितनी मदिरा दुकानें राष्ट्रीय/राज्य राजमार्गों अथवा प्रमुख सार्वजनिक सड़कों के निकट संचालित हैं और क्या शासन द्वारा मदिरा दुकानों के स्थान निर्धारण हेतु कोई निर्धारित मानक अथवा दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं? इस प्रश्न का लिखित उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री साय ने बताया कि वर्तमान में 161 देशी मदिरा दुकान, 179 कंपोजिट देशी मदिरा दुकान, 200 विदेशी मदिरा दुकान, 105 कंपोजिट विदेशी मदिरा दुकान एवं 31 प्रीमियम मदिरा दुकान इस प्रकार कुल 676 मदिरा दुकानों का संचालन प्रदेश में किया जा रहा है। संचालित मदिरा दुकानें सामान्य प्रयुक्ति नियम के प्रावधानों के तहत् आपत्तिरहित स्थल पर अवस्थित हैं तथा राज्य अंतर्गत समस्त मदिरा दुकानों का स्थान निर्धारण छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 के अंतर्गत सामान्य प्रयुक्ति नियम के प्रावधानों के अनुरूप किया जाता है।

श्रीमती भावना बोहरा ने विद्युत् आपूर्ति बाधित होने से जनता को हो रही परेशानी के सन्दर्भ में प्रश्न का लिखित जवाब देते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित होने के मुख्य कारणों में मानसून अवधि के दौरान उपकरणों का खराब होना एवं लाईनों के इंसुलेटरों का टूटना/खराब हो जाना, जम्पर का कट जाना, तेज आंधी-तूफान या वाहनों के टकराने से पोल या तार टूट

जाता है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा कारणों से लाईनों को बंद करना इत्यादि कारणों से विद्युत आपूर्ति बाधित होती है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके अतिरिक्त उत्पादन इकाईयों के सुधार के लिए बंद होने की स्थिति में राज्य की विद्युत मांग को नियंत्रित करने तथा ग्रिड को सुरक्षित रखने विद्युत आपूर्ति को नियंत्रित किया जाता है। माह अप्रैल 2025 की स्थिति में छ.ग.स्टे. पॉ.डि.कं. लिमि. में तकनीकी एवं मैदानी कर्मचारियों के कुल स्वीकृत पद 12317 है, जिनमें से 5747 पदो पर नियमित कर्मचारी कार्यरत है। रिक्त 6570 पदों के विरूद्ध बाह्य स्त्रोत से 2728 कुशल कर्मचारी एवं 4687 अकुशल कर्मचारी नियोजित किये गये है। इस प्रकार 6570 रिक्त पदों के विरूद्ध 7415 कर्मचारी कार्य पर नियोजित किये गये है एवं विभाग द्वारा प्रदेश के सभी भागों में तकनीकी एवं मैदानी कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त मांग का प्रस्ताव आने पर, प्रकरण की समीक्षा किया जा रहा है और अतिरिक्त कर्मचारियों की स्वीकृति यथासमय प्राधिकृत अधिकारी से स्वीकृत कराया जा रहा है।

पंडरिया विधानसभा अंतर्गत श्रीमती बोहरा ने डेढ वर्षों में पंडरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विद्यालय निर्माण एवं शिक्षक संबंधी प्रश्न का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि विगत डेढ़ वर्षों के दौरान पंडरिया विधानसभा क्षेत्र जिला कबीरधाम अंतर्गत नए प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के शालाओं में निर्माण कार्य प्रगति पर है। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के मुख्य बजट में शामिल एवं स्वीकृति प्राप्त शालाओं में से 06 शासकीय शालाएं निर्माणाधीन है एवं अप्रारंभ कार्य निरंक है। विगत डेढ़ वर्षों में राज्य के शासकीय विद्यालयों में कुल 3371 नियुक्तियां की गई है। जिसके अंतर्गत 2638 सहायक शिक्षक, 686 शिक्षक, 19 व्याख्याता गणित एवं 27 व्याख्याता भौतिकी शास्त्र में नियुक्ति की गई है।

नगरी निकाय कर्मचारी अपनी तीन सूत्री महत्वपूर्ण मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से किये मुलाकात

गरियाबंद (समय दर्शन)। पूरे प्रदेश भर के नगरी निकाय कर्मचारी अपनी तीन सूत्री मूलभूत महत्वपूर्ण मांगों को लेकर लगातार पिछले एक सप्ताह भर से अपने-अपने स्थानीय निकायों में काली पट्टी लगाकर फील्ड और कार्यालयीन कार्यों को कर रहे थे और अपनी मांगों को लेकर नारा लगाते हुए आवाज बुलंद कर शासन का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने का लगातार प्रयास कर रहे थे।नवयुक्त अधिकारी कर्मचारी नगरी निकाय कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने बताया कि निकाय कर्मचारियों की बहुत ही महत्वपूर्ण और जमीनी स्तर की तीन मांगे जिसमें

महीने के पहली तारीख को वेतन का भुगतान करने, शासन के अन्य विभागों की भांति पुरानी पेंशन योजना लागू करने और समय पद पदोन्नति प्रदान करने जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर हम लगातार संघर्षरत है और लगातार शासन को अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रयास कर रहे थे।इसी बीच शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से संघ के पदाधिकारीयो को मुलाकात के लिए बुलावा आया था।संघ के प्रदेश पदाधिकारीयो द्वारा मुख्यमंत्री से उनके निवास में भेंट मुलाकात कर अपनी गंभीर और महत्वपूर्ण मांगों और समस्याओं से उनको अवगत कराया गया।जिस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा निकाय कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अति शीघ्र मांगों पर विचार कर पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया।श्री सोनी ने बताया कि चर्चा सकारात्मक और सार्थक रही और आने वाले समय पर निश्चित रूप से कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा।मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले में प्रमुख रूप से कर्मचारी संघ के संरक्षक संजय शर्मा,प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी, प्रदेश महामंत्री सुभाष सोनकर,वरिष्ठ सलाहकार श्रवण ठाकुर और कर्मचारी ललित साहू उपस्थित थे।

ओबीसी सशक्तिकरण: 'ओबीसी विद्रोह' को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली; नरहरि की 'शकरि-विक्रमादित्य' भी जल्द ही रिलीज़ होगी

नई दिल्ली। हाल ही में एक नई पुस्तक, 'द ओबीसीज़ अपराइजिंग: अ न्यू नैरेटिव ऑन सोशल जस्टिस एंड पॉलिटिकल रिप्रेजेंटेशन' का लोकार्पण हुआ। इस पुस्तक के सह-लेखक मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव पी. नरहरि, आईएएस और उच्च न्यायालय के अधिवक्ता पृथ्वीराज सिंह हैं। यह कृति भारत में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए सामाजिक न्याय और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की वकालत करती है, जो पाँच वर्षों के गहन शोध और सहयोग का परिणाम है।

'द ओबीसीज़ अपराइजिंग' हाल ही में प्रकाशित हुई है और इसे पाठकों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। तेलुगु भाषा में इसकी लगभग 3500 प्रतियाँ बिक चुकी हैं और इसके अंग्रेज़ी संस्करण में भी रुचि बढ़ रही है। प्रकाशक ने घोषणा की है कि यह पुस्तक जल्द ही भारत भर के सभी प्रमुख किताबों की दुकानों में उपलब्ध होगी।

यह पुस्तक अतीत और वर्तमान में ओबीसी के सामने आने वाली चुनौतियों का गहराई से विश्लेषण करती है। नौ अध्यायों में विभाजित, यह कोलोनियल पॉलिसीज़ के प्रभाव, आरक्षण की राजनीति के विकास और सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों और नीतिगत विकासों के कानूनी विश्लेषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल करती है। पुस्तक की एक प्रमुख विशेषता ओबीसी घोषणापत्र है, जो एक विस्तृत पालिसी चार्टर है जिसमें समुदाय के प्रतिनिधित्व, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण की विशिष्ट माँगों को रेखांकित किया गया है।

इस पुस्तक का लोकार्पण 'महागाथा' मंच द्वारा किया गया। महागाथा का मानना है कि यह पुस्तक सामाजिक जागरूकता और परिवर्तन के लिए एक सशक्त माध्यम के रूप में कार्य करेगी, जो वैदिक ज्ञान को समकालीन मुद्दों के साथ एकीकृत करने के उनके मिशन के अनुरूप है।

लेखकों के पास इस कार्य के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण है। पी. नरहरि ने कहा, यह पुस्तक पाँच वर्षों के गहन शोध और सहयोग का परिणाम है, जो ओबीसी आख्यान के व्यापक अन्वेषण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को स्पष्ट करती है। सह-लेखक पृथ्वीराज सिंह ने कहा, हमारा मानना है कि यह पुस्तक एक कार्यवाही का आह्वान है—ऐतिहासिक अन्यायों को दूर करने और भारत के लिए एक सच्चे समावेशी भविष्य की कल्पना करने हेतु एक सावधानीपूर्वक तैयार किया गया उपकरण। इसी कड़ी में, पं. नरहरि और आध्यात्मिक दार्शनिक देवऋषि की बहुप्रतीक्षित पुस्तक 'शकारि - विक्रमादित्य' भी जल्द ही प्रकाशित होने वाली है। यह पुस्तक महान भारतीय सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और पराक्रम पर आधारित एक ऐतिहासिक गाथा है।

क्या होती है 'मनपसंद की शादी'? कलर्स और राजश्री प्रोडक्शंस

नई दिल्ली। अपनी तारीख नोट कर लीजिए क्योंकि आ रही है एक ऐसी जोड़ी, जो बनी है सीधे स्वर्ग में! मनोरंजन का वादा दोहराते हुए, कलर्स एक बार फिर हाथ मिला रहा है राजश्री प्रोडक्शंस के साथ, जो पारिवारिक कहानियों के लिए जाना जाता है। इस बार 'शादी का लड्डू' मिलने वाला है एक प्रगतिशील स्वाद के साथ, नए धारावाहिक 'मनपसंद की शादी' में। चैनल ने एक विचारोत्तेजक प्रोमो रिलीज किया है, जो उस प्रिय राजश्री दुनिया की याद दिलाता है, जहां शादियां सिर्फ समारोह नहीं, बल्कि प्रेम, परिवार और परंपरा की भावनात्मक गाथाएं होती हैं। लेकिन इस बार जब सिनेमाई ताकत टेलीविजन स्क्रीन पर आने के लिए तैयार हो रही है, तो विवाह का एक आधुनिक मोड़ सामने आने का इंतजार कर रहा है! प्रोमो में दिखाई देती है भारत की विविध शादी परंपराओं की एक झलक अलग-अलग बोलियां, रस्में और क्षेत्रीय रंग, और इसी देसी शादी के रोमांस से जुड़ा है एक सवाल: न लव मैरिज, न अरेंज्ड मैरिज आखिर ये मनपसंद की शादी होती क्या है? इसका जवाब लेकर तैयार हैं आरोही शिंदे, जिनका किरदार निभा रही हैं ईशा सुर्यवंशी एक मराठी मुलगी, जो राजश्री की दुल्हन के नए युग की प्रतीक हैं और एक नई सोच के साथ आ रही हैं। पिछले तीन दशकों से, राजश्री बैनर ने भारत के सबसे यादगार शादी के ख्वाबों को पर्दे पर उतारा है फिर चाहे वो 'हम आपके हैं कौन..!' की रस्में हों, 'मैंने प्यार किया' की शालीनता हो, या 'हम साथ साथ हैं' की पारिवारिक रौनक।

हर-हर महादेव और बोल बम की घोष से गूंजा कवर्धा, भव्यता के साथ निकली भोरमदेव पदयात्रा

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भगवा ध्वज दिखाकर पदयात्रा को किया रवाना और ध्वज लेकर पदयात्रा में शामिल हुए

मां नर्मदा के पवित्र जल से हुआ भोरमदेव बाबा का जलाभिषेक

कवर्धा (समय दर्शन)। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पुरातत्व, पर्यटन, जनआस्था के केन्द्र एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थल बाबा भोरमदेव मंदिर के लिए पदयात्रा में भारी उत्साह, दिव्यता और भक्तिभाव के साथ उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। इससे पहले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पंचमुखी बुढ़ा महादेव में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों ने हर-हर महादेव, बोल-बंम के जयघोष के साथ भगवा ध्वज हाथों में लिए लगभग 18 किलोमीटर श्रद्धालुओं का भोरमदेव पदयात्रा का शुभारंभ किया। पदयात्रा में शामिल होने स्वस्फूर्त श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ गया। वर्ष 2008 से निरंतर जारी इस पदयात्रा की भव्यता और सहभागिता हर वर्ष बढ़ती जा रही है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कबीरधाम जिला पूरे प्रदेश में अध्यात्म, पुरातत्व और पर्यटन के क्षेत्र में अपनी एक विशिष्ट पहचान रखता है। आज श्रावण मास के प्रथम सोमवार को आयोजित पदयात्रा में जिले भर से जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठनों और आमजन की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा न केवल आध्यात्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि जिले की सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण भी है। पदयात्रा को लेकर पूरे जिले में उत्सव जैसा माहौल है और हर वर्ग के लोग पूरे जोश और श्रद्धा के साथ इसमें शामिल हो रहे हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने समस्त

जिलावासियों को श्रावण मास की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए जनभागीदारी और संस्कृति के इस उत्सव में सक्रिय सहभागिता के लिए आभार भी व्यक्त किया। इस पदयात्रा में पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, कृषक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनहरण कौशिक, बोड़ला जनपद अध्यक्ष रामकिकंर वर्मा, उपाध्यक्ष नंद श्रीवासी, नितेश अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, समाज सेवी संगठन, स्वामी विवेकानंद एकेडमी, स्कूली बच्चों से लेकर आमजन हजारों की संख्या में महिला-पुरूष व बच्चें श्रद्धालु के रूप में स्वस्फूर्त शामिल हुए।

भोरमदेव पदयात्रा को लेकर कवर्धा से भोरमदेव मंदिर पूरे 18 किलोमीटर तक पदयात्रा में दोगुनी उत्साह और उमंग देखने को मिला। ग्राम पंचायतों के पंच-सरपंच के आलावा वन विभाग, इंजिनियर एसेसिएशन संघ, जिला प्रेस क्लब, पशुधन विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आबकारी विभाग, विद्युत विभाग, ज्वाईन हैण्डस, ट्रक मालिक संघ, प्रायवेट स्कूल संघ और परिवहन विभाग ने अलग-अलग स्थानों में स्टॉल लगाकर श्रद्धालु, पदयात्रियों कांवरियों के लिए चाय, कॉफी, नास्ता, जूस, शरबत, नीबू पानी, खीर-पूडी और फ्ल वितरण किया। पदयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को तत्काल स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ विभाग की टीम अलर्ट दिखाई दी। 18 किलोमीटर की इस पदयात्रा के साथ-साथ प्राथमिक उपचार के लिए एम्बूलेंस भी रही।

राज्य शासन के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए- श्रावण मास के प्रथम सोमवार को छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पुरातत्व, पर्यटन, जनआस्था के केन्द्र एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थल बाबा भोरमदेव मंदिर के लिए पदयात्रा में राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव और तात्कालिक कलेक्टर श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी और मुंगेली कलेक्टर श्री कुंदन कुमार अपने पूरे परिवार के सभी सदस्यों के साथ इस पदयात्रा में शामिल हुए और बाबा भोरमदेव की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने कवर्धा से भोरमदेव मंदिर तक पदयात्रा भी की।

माँ नर्मदा जल से हुआ जलाभिषेक- इस वर्ष की पदयात्रा को विशेष और आध्यात्मिक रूप से और भी समृद्ध बनाने के लिए मां नर्मदा के पवित्र जल से भोरमदेव बाबा का जलाभिषेक किया गया। इसके लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा 1000 पैकेट नर्मदा जल की विशेष व्यवस्था की गई थी। यह अभिनव पहल कलेक्टर गोपाल वर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी के संयुक्त प्रयास से संभव हो सका है, जिसे श्रद्धालुओं और नगरवासियों द्वारा अत्यंत सराहा जा रहा है।

झांकियां बनी आकर्षण का केंद्र- इस बार की पदयात्रा में शिवजी की बाल्यावस्था से लेकर विविध स्वरूपों में तैयार की गई झांकियां, नदी की सवारी जैसी झांकी और भक्तिमय प्रदर्शनियां विशेष आकर्षण रहीं। झांकियों ने न केवल धार्मिक भावनाओं को जागृत किया, बल्कि कला और संस्कृति की झलक भी प्रस्तुत की।

संक्षिप्त-खबर

ट्रक का टायर नाली में चढ़ा, टूट है सीमेंट की नाली, कभी भी घट सकती है दुर्घटना, पुराना बाजार चौक पाटन का मामला

पाटन (समय दर्शन)। पुराना बाजार चौक पाटन में अभी कुछ देर पहले एक ट्रक ने नाली को तोड़ दिया है। बताया जा रहा है कि ट्रक ड्राइवर ट्रक को पीछे कर रही थी। वही इसी समय ट्रक का पिछला टायर नाली बना था उसे पर चढ़ गया और नाली टूट गई। यह रास्ता पुराना बाजार चौक में सिन्हा मेडिकल के सामने स्थित है। जहां से स्वामी आत्मानंद स्कूल के बच्चे एवं शिक्षक आना-जाना करते हैं। खुली हुई नाली में रॉड दिख रही है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि अगर नाली को ठीक नहीं किया गया तो कभी भी कुछ भी हादसा हो सकता है।

पैसा का विवाद को लेकर बड़े भाई ने छोटे भाई पर कटार से किया जानलेवा हमला, अमलेश्वर थाना के झीट का मामला, पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी

बलराम यादव/ पाटन। पाटन ब्लॉक के ग्राम झीट में आज दो पक्ष में पैसा को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि बड़े भाई ने छोटे भाई पर कटार से हमला कर दिया। यह घटना बाजार चौक झीट की बताई जा रही है। घायल इकबाल के पिता की तत्काल सरपंच राजू साहू ने अमलेश्वर थाना लेकर पहुंचे। बताया जा रहा है कि आरोपी घायल के पिता को भी टारगेट में रखा था इधर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया है । ग्राम झीट में सोनी पान ठेला के सामने इकबाल खान नाम का एक व्यक्ति दुकान चलाता है वही उन्हीं के ही परिवार के बड़े भाई अनीश खान ने जो उसके दादा को दो हजार पेंशन मिलता है उसे इकबाल खान से मांगने पहुंचा। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ा। अनीश खान ने इकबाल पर उनके दुकान के बाजू में ही कटार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और फरार हो गया। जिससे कि उसके सिर में काफी गंभीर चोट आई है। वही काफी खून बह गया है। जिसे स्थानीय लोगों के द्वारा झीट अस्पताल ले जाया गया घटना की खबर लगते ही बाजार चौक में भीड़ जुड़ चुकी है। वहीं घटना के पीड़ित के पिता अमलेश्वर थाना में रिपोर्ट दर्ज करने पहुंचे । घटना स्थल पर घायल इकबाल का जुता, घड़ी पड़ी है। वही जिस जगह घटना हुई वहां खून भी फैली हैं। जानकारी के मुताबिक घटना को अंजाम देने के बाद अनीश मनचांदुर पहुंच गया जहां से उन्होंने कपड़ा बदला और निकल गया। पुलिस तलाश कर रही है।

छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ ने किरंदुल में एनएमडीसी अधिशासी निदेशक को भेंट की टेलीफोन डायरी

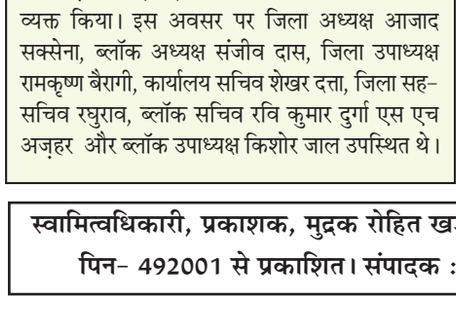

दंतेवाड़ा (समय दर्शन: छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ ने संपर्क और संवाद को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रदेशभर में टेलीफोन डायरेक्टरी का वितरण शुरू किया है। रविवार को दंतेवाड़ा जिला इकाई के अध्यक्ष आजाद सक्सेना और ब्लॉक अध्यक्ष संजीव दास के नेतृत्व में पत्रकारों की एक टीम ने किरंदुल में एनएमडीसी के अधिशासी निदेशक रविन्द्र नारायण से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उन्हें प्रदेश स्तर पर प्रकाशित पत्रकार दूरभाष निर्देशिका (टेलीफोन डायरी) भेंट की गई। यह डायरी प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अवस्थी और उनकी टीम के प्रयासों से तैयार की गई है। इसमें प्रदेश के पत्रकारों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों, रोजगार कार्यालयों, परीक्षा मंडलों, समाचार पत्र कार्यालयों, राजनीतिक दलों के प्रमुख पदाधिकारियों, विश्वविद्यालयों, महत्वपूर्ण कार्यालयों और सामाजिक संस्थानों के संपर्क नंबर शामिल हैं। इस निर्देशिका का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों को एक सूत्र में जोड़कर संपर्क और संवाद की प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाना है। एनएमडीसी के अधिशासी निदेशक रविन्द्र नारायण ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पत्रकार समाज के सजग प्रहरी हैं और यह टेलीफोन डायरी सभी क्षेत्रों में उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने इस अनुकरणीय प्रयास के लिए जिला इकाई के सभी पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष आजाद सक्सेना, ब्लॉक अध्यक्ष संजीव दास, जिला उपाध्यक्ष रामकृष्ण बैरागी, कार्यालय सचिव शेखर दत्ता, जिला सह-सचिव रघुराव, ब्लॉक सचिव रवि कुमार दुर्गा एस एच अज़हर और ब्लॉक उपाध्यक्ष किशोर जाल उपस्थित थे।

सरायपाली विधानसभा क्षेत्र के धान खरीदी केन्द्रों में शॉर्टेज और अनियमितता का मामला विधानसभा में गूंजा

रायपुर(समय दर्शन)। विधायक चातुरी नंद ने सरायपाली विधानसभा क्षेत्र के धान खरीदी केन्द्रों में शॉर्टेज और अनियमितता के मामले की जानकारी विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान ली।

विधायक चातुरी नंद के तारांकित प्रश्न के लिखित जवाब में सहकारिता मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024-25 में सरायपाली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 48 उपार्जन केन्द्रों में 2,89,896.60 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि 48 उपार्जन केन्द्रों में से 18 उपार्जन केन्द्रों का अंतिम लेखा मिलान पूर्ण हो चुका है, जिसमें धान की शार्टेज निरंक है, शेष 30 उपार्जन केन्द्रों में अंतिम लेखा मिलान प्रक्रियाधीन है, मिलान का कार्य पूर्ण होने पर ही धान की शार्टेज की वास्तविक स्थिति ज्ञात हो सकेगी।

विधायक चातुरी नंद ने सरायपाली विधानसभा क्षेत्र की धान खरीदी केन्द्रों में अवैध धान खपाने अथवा अन्य गड़बड़ियां एवं शिकायत के संबंध में मंत्री ने अपने लिखित जवाब में बताया कि नून पानी, रिसेकेला, सिगहबहाल, केना और जंगल बेड़ा में शिकायत प्राप्त हुई है जिसकी जांच जारी है। नून पानी, रिसेकेला और केना में एफ्आईआर दर्ज की गई है।

विधायक चातुरी नंद ने इस सम्बन्ध में मीडिया को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कुछ केंद्रों के प्रभारियों को बचाने का षड़यंत्र किया जा रहा है जिसके चलते कई केंद्रों में गड़बड़ी के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

मानसून सत्र के दौरान विधायक चातुरी नंद ने प्रदेश में युक्तियुक्तकरण के दौरान अतिशेष शिक्षकों में गड़बड़ी की शिकायत, छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों के मानदेय भुगतान, राजस्व निरीक्षक भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी सहित कई मुद्दों को विधानसभा में उठाया।

विदित हो कि सरायपाली विधायक चातुरी नंद तेजतर्रार विधायक के रूप में जानी जाती है और जनहित के मुद्दों को विधानसभा में प्रमुखता से उठाते रही है। इस मानसून सत्र में भी उनके द्वारा सदन में किसानों, युवाओं से लेकर आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जा रहा है।

कलेक्टर ने किया पिथौरा संग्रहण केंद्र का औचक निरीक्षण

- धान उठाव में तेजी लाने एवं सड़क मरम्मत के दिए निर्देश

पिथौरा (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज पिथौरा स्थित धान संग्रहण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने धान के भंडारण, सुरक्षा, परिवहन और उठाव की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए धान का शीघ्रता से उठाव सुनिश्चित किया जाए, जिससे धान की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण रखरखाव किया जा सके। उन्होंने कहा कि धान भीगने या खराब होने की स्थिति में संभावित नुकसान को रोकना सुनिश्चित करें।

मौके पर डीएमओ राठौर ने बताया कि, यहां कुल 2 लाख 53 हजार क्विंटल धान का भंडारण किया गया है। जिसमें 50 हजार क्विंटल धान का डी.ओ. (डिलिवरी ऑर्डर) पहले ही कट चुका है, इस पर कलेक्टर ने संबंधित परिवहन एजेंसी और फूड विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस धान का तत्काल उठाव प्रारंभ किया जाए और परिवहन में किसी भी प्रकार की देरी न हो।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संग्रहण केंद्र तक पहुंचने वाले मार्ग की स्थिति देखते हुए कहा कि बरसात में कीचड़ और जलभराव से उठाव कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए सड़क की मरम्मत मुरूम या गिट्टी से शीघ्र की जाए। कलेक्टर ने गोदामों की साफ-सफाई, तिरपाल व्यवस्था, नमी नियंत्रण और सुरक्षा प्रबंधों का भी अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि केंद्र में कार्यरत सभी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाया जाए और उठाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखी जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक दिवस उठाव की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए और कार्य में लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पिथौरा ओंकारेश्वर सिंह, खाद्य अधिकारी अजय यादव, डीएमओ राठौर एवं नान के अधिकारी उपस्थित रहे।

गिरीश नामदेव बने छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स बसना के अध्यक्ष एवं रघुवीर श्रीवास्तव सचिव

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स × इंडस्ट्रीज की बसना इकाई के लिए गिरीश नागदेव को अध्यक्ष एवं रघुवीर श्रीवास्तव को सचिव चुना गया है ।

व्यापारी एकता पैनल के संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी, प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने उज्जवल भविष्य की कामना के साथ बधाई देते हुए नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

बसना व्यापारी संघ के प्रमुखगणों जयनारायण अग्रवाल,आनंद मदनानी, रघुवीर श्रीवास्तव,अहसान दानी,सोनू श्रीवास्तव, मनोज अग्रवाल, टीनू श्रीवास्तव ,राजेश साँवरिया, रमेश बजाज,विनोद नोताणी,इरफान भाई,संदीप अग्रवाल एवं सभी व्यापारी बंधु इलेक्ट्रॉनिक एवं इलेक्ट्रिकल, कपड़ा, किराना, मनिहारी,जनरल एवं हार्डवेयर, सराफ, मेडिकल आदि से जुड़े सभी व्यापारी बंधुओं ने बधाई व शुभकामनाएँ दिये हैं । उन्होंने बताया कि, बसना मे स्थानीय ईकाई का गठन पहली बार हुआ है।

यहाँ से लगभग 52 सदस्यों का नाम जोड़ा जा रहा है उन सम्माननीय व्यापारी बंधुओं का नाम प्रदेश कार्यालय भेजा गया है। ज्यादा से ज्यादा व्यापारी भाईयों को चेम्बर्स ऑफ कामर्स से जोड़ना और व्यापारी बंधुओं को आने वाली अड़चनो को दूर करना हमारी प्राथमिकता रहेगी।

सावन के प्रथम सोमवार को शिव भक्त हुए मायूस, दर्शन नहीं कर पाए, खारुन नदी में पानी, लक्ष्मण झूला बनकर तैयार, लोकार्पण का इंतजार, पाटन ब्लॉक के ठकुराइन टोला में है नदी के बीच में शिव मंदिर

बलराम यादव

पाटन । पाटन से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम ठकुराइन टोला स्थित है। यहां पर खारुन नदी के मध्य पर प्राचीन शिव मंदिर स्थित है। सावन माह के प्रथम सोमवार को यहां पर शिव भक्त पहुंचे लेकिन भगवान भोलेनाथ के मंदिर तक नहीं पहुंच पाए और उन्हें बगैर दर्शन करें वापस होना पड़ा। खारुन नदी में पानी होने के कारण शिव भक्त और पर्यटक मंदिर तक नहीं पहुंच पाए। इसी समस्या को देखते हुए पूर्ववर्ती भूपेश बघेल की सरकार ने खारुन नदी के मध्य में लक्ष्मण झूला का निर्माण कराया है। अभी यह लक्ष्मण झूला बनकर तैयार है लेकिन इसका लोकार्पण नहीं होने के कारण आम पर्यटन के लिए इसे बंद करके रखा गया है इसी कारण पर्यटक और शिव भक्त मंदिर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। पर्यटकों में आक्रोश देखी जा रही है कि आखिर कब इस लक्ष्मण झूला का लोकार्पण होगा और इसका लाभ मिल पाएगा। यहां पर दूर-दूर से पर्यटक आते हैं मंदिर दर्शन के अलावा यहां कई रमानीय स्थल है । इस सावन माह में पर्यटकों ने मांग किया है कि लक्ष्मण झूला का लोकार्पण करें जिससे कि नदी में पानी होने के बाद भी भगवान भोलेनाथ की मंदिर तक पहुंच सके।

सुरक्षा ताक पर , बच्चे बुजुर्ग सभी नदी की तेज धार में उतर रहे- ठकुराइन टोला में मंदिर के पास एनीकेट बना हुआ है। एनीकेट के ऊपर से पानी बह रहा है। इधर घूमने आए पर्यटक एनीकेट के ऊपर भी जा रहे हैं। जिससे खतरा बढ़ गया है। बता दे की करीब दो माह पहले ही इसी एनीकेट पर डूब कर पाटन के एक युवक की मौत हो गई थी। इसके बाद भी शासन प्रशासन इसे से गंभीरता से नहीं लिया। आज स्थिति यह है कि तेज धार पानी बह रही है। जिसमें बच्चे, युवा, बुजुर्ग ,महिलाएं युवतियां सभी अपनी जान को जोखिम में डालकर नहाने के लिए तथा सेल्फी लेने के लिए बीच नदी में जा रहे हैं इन्हें रोकने वाला भी कोई नहीं है । वहां पर सुरक्षा का कोई इंतजाम भी नहीं है । ऐसे में कभी भी बड़े हादसा हो सकता है।

जन कल्याण सेवा समिति साजापाली बोलबंम काँवरियों की कर रही सेवा

बसना (समय दर्शन)। सावन के आते ही महादेव के भक्त महादेव के भक्ति में लीन नज़र आ रहे हैं। सावन के प्रथम सोमवार को बसना ब्लॉक के ग्राम बड़े साजापली में जन कल्याण सेवा समिति बड़े साजापाली के सदस्यों के द्वारा काँवरियों का सेवा करते हुए खीर प्रसाद का वितरण किया गया। आपको बता दे कि, यह समिति लगातार जनहित की कार्य करती रहती हैं। आज सावन के प्रथम सोमवार को बड़े साजापाली बस स्टैंड में सभी राहगीरों को प्रसाद वितरण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से इशकुमार साहू, मनभावन साहू, केशव साहू, गुलशन साहू, राजेश साहू, ईश्वर साहू, मनोहर साहू, करन सिदार, कमल किशन, द्रविड़ सिदार, ओम प्रकाश साहू, शिव राम निषाद, निरंजन सोनार, अशोक साहू, खिरकुमार साहू, सहित गांव ग्रामीण उपस्थित रहे।

90 प्रतिशत से अधिक किसानों ने संतुलित उर्वरक का उठाव कर लाभ प्राप्त किया

- सेवा सहकारी समिति नवागढ़ बनी कृषि समृद्धि की मिसाल

बेमेतरा (समय दर्शन)। बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत सेवा सहकारी समिति नवागढ़ ने खरीफ सीजन 2025 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस सीजन में समिति से जुड़े कुल 1905 केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) धारक कृषकों में से 1720 कृषक बंधुओं ने संतुलित उर्वरकों का उठाव कर लाभ प्राप्त किया है, जो कुल कृषकों का 90 प्रतिशत से भी अधिक है। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा एवं कृषि विभाग के मार्गदर्शन और समिति की सतत प्रेरणा के फलस्वरूप किसानों ने यूरिया, डीएपी, एसएसपी, पोटाश और एनपीके जैसे संतुलित उर्वरकों का समुचित उपयोग किया। इस दौरान किसानों द्वारा कुल 795.38 मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किया गया, जिसके अंतर्गत यूरिया 366.38 मीट्रिक टन, डीएपी 65 मीट्रिक टन, एसएसपी 100 मीट्रिक टन, पोटाश 76 मीट्रिक टन, एनपीके 188 मीट्रिक टन शामिल हैं। सिर्फ उर्वरक ही नहीं, बल्कि किसानों ने उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीजों का भी उठाव किया, जिनमें धान स्वर्णा के 210 क्विंटल एवं महामाया प्रजाति के 150 क्विंटल बीज शामिल हैं। इससे कृषक अपने खेतों में गुणवत्तापूर्ण और लाभकारी खेती कर पा रहे हैं। यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ भी क्षेत्रीय किसानों को मिला है। शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर खाद, बीज और नगद ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में सेवा सहकारी समिति नवागढ़ के माध्यम से अब तक 4.5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को वितरित की जा चुकी है, जिससे खेती-किसानी का कार्य निर्बाध रूप से चल रहा है।

सेवा सहकारी समिति नवागढ़ में कार्यरत कर्मचारी श्री मनोज पुरबिया ने जानकारी दी कि कृषि विभाग के निर्देशन में किसानों को संतुलित उर्वरक के उपयोग हेतु लगातार जागरूक किया गया। डीएपी की उपलब्धता सीमित होने पर उसके विकल्प के रूप में एसएसपी, यूरिया, पोटाश एवं एनपीके का महत्व बताया गया। इसका सकारात्मक असर देखने को मिला और कृषकों ने विकल्पों का प्रभावी उपयोग करते हुए लक्ष्य का 90 प्रतिशत से अधिक उठाव कर लिया। इस प्रयास से जहां किसानों की लागत में कमी आई है, वहीं उपज की गुणवत्ता और मात्रा में भी सुधार हुआ है। नवागढ़ की सेवा सहकारी समिति प्रदेश में एक सफल उदाहरण बनकर उभरी है, जहाँ कृषि विभाग, सहकारी समिति और किसानों के सामूहिक प्रयासों से खरीफ सीजन 2025 में कृषि उन्नति की नई कहानी लिखी जा रही है।

कलेक्टर ने किया सरदा धान संग्रहण केंद्र का निरीक्षण, धान के सुरक्षित भंडारण हेतु दिए निर्देश

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने आज विकासखंड बेरला अंतर्गत सरदा स्थित धान संग्रहण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में संग्रहित धान की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को बारिश के मौसम में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश के कारण धान की गुणवत्ता प्रभावित न हो, इसके लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि खुले में रखे धान को तिरपाल आदि से पूरी तरह ढंककर रखा जाए, जिससे उसे गीला होने या सड़ने से बचाया जा सके। इसके अतिरिक्त संग्रहण केंद्र में पानी की निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने, धान के बोरे ठीक ढंग से जमाने और नियमित निरीक्षण करने की भी हिदायत दी गई।

कलेक्टर ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से संग्रहण केंद्रों का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत का प्रतिफल तभी मिलेगा जब उनकी उपज को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संग्रहित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी, गोदाम प्रभारी तथा स्थानीय कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री शर्मा ने कर्मचारियों को सजगता और ईमानदारी के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित सभी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। जिले में धान संग्रहण कार्य की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह गंभीर और सजग है। इस दौरान एडीएम अनिल वाजपेयी सहित संबंधित कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27